● वर्ष-4
● अंक-159
रायपुर, बुधवार
12 फरवरी 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» रेस्टोरेंट या बाहर का खाना..

नगर सरकार बनाने जनता में उत्साह, 15 को परिणाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के लिए मतदान का समय समाप्त हो चुका है। मतदान का समय सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक था। आज मतदाताओं नें गजब का उत्साह दिखाया, छत्तीसगढ़ में चार बजे तक 68.1 प्रतिशतमतदान हो हुआ है। इनमें महिलाओं का 67.8 प्रतिशत और पुरुषों का 64.06 प्रतिशत मतदान रहा। रायपुर नगर निगम में 4 बजे तक 44.50 प्रतिशत मतदान हुआ है।

छत्तीसगढ़ में आज शहर की सरकार चुनने के लिए सुबह 8 बजे से शुरू हुई वोटिंग का सिलसिला थम चुका है। प्रदेश 173 नगरीय निकायों के लिए और प्रदेश के 10 नगर निगम, 49 नगरपालिका और 114 नगर पंचायतों के लिए वोट डाले गए। जो मतदाता पोलिंग बूथ के अंदर हैं वहीं वोट डाल सकेंगे। प्रदेश में 4 बजे तक 68.1त्न मतदान हो चुका है।

दरअसल छत्तीसगढ़ के 10 नगर निगमों में मतदान हुआ। इनमें अंबिकापुर, कोरबा, चिरमिरी, जगदलपुर, दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, राजनांदगांव, रायगढ़ और रायपुर नगर निगम शामिल हैं। इसके अलावा 49 नगर पालिकाओं और 114 नगर पंचायतों में भी मतदान हुआ। सभी निकायों के नतीजे 15 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। फिलहाल सभी प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है, 15 फरवरी को इनके भाग्य का फैसला होगा। इस चुनाव में कई दिग्गजों का साख भी दांव पर लगी है।

कौन आमने-सामने थे

रायपुर नगर निगम

कांग्रेस ने रायपुर में दीप्ति दुबे को मेयर प्रत्याशी बनाया था. दीप्ति दुबे वर्तमान सभापति प्रमोद दुबे की पत्नी है. वहीं भाजपा ने मीनल चौबे को महापौर प्रत्याशी बनाया है।

दुर्ग नगर निगम

भाजपा महापौर प्रत्याशी अल्का बाघमार दुर्ग सांसद विजय बघेल की रिश्तेदार हैं. कांग्रेस ने साहू समाज से प्रेमलता पोषण साहू को महापौर का प्रत्याशी बनाया है. वे दुर्ग के पूर्व विधायक अरुण वोरा की करीबी हैं.

कोरबा नगर निगम

महिला आरक्षित सीट पर कांग्रेस से उषा तिवारी को महापौर का टिकट मिला था. वहीं भाजपा ने संजू देवी को अपना प्रत्याशी बनाया है.

अंबिकापुर नगर निगम

भाजपा ने मंजूषा भगत को प्रत्याशी बनाया था. 53 साल की मंजूषा बीए पास है और अभी सरगुजा से पार्टी की जिला अध्यक्ष हैं. दूसरी तरफ कांग्रेस ने अजय तिर्की को मैदान में उतारा था, जो एमबीबीएस और एमएस आर्थो की पढ़ाई कर चुके हैं.

बिलासपुर नगर निगम

भाजपा ने बिलासपुर सीट से 54 साल की पूजा विधानी को टिकट दिया था. एमए पास पूजा नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अशोक विधानी की पत्नी है. वहीं कांग्रेस ने प्रमोद नायक को प्रत्याशी बनाया था.

रायगढ़ नगर निगम

रायगढ़ सीट से कांग्रेस ने 12वीं पास जानकी काटजू को चुनावी मैदान में उतारा था. वे पूर्व पार्षद रह चुकी हैं. भाजपा ने 7वीं पास जीववर्धन चौहान को चुनावी मैदान में उतारा था.

जगदलपुर नगर निगम

भाजपा ने जगदलपुर में संजय पांडेय को महापौर प्रत्याशी बनाया था. 56 साल के संजय एमए पास हैं. 2004 के बाद से वे चार बार पार्षद रह चुके हैं. वहीं कांग्रेस ने मककीत सिंह गैदू को प्रत्याशी बनाया था. 12वीं पास मलकीत छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी मंत्री हैं.

राजनांदगांव नगर निगम

राजनांदगांव सीट से भाजपा ने मधुसूदन यादव को प्रत्याशी बनाया था. 52 साल के 12वीं पास मधुसूदन पहले विधायक, सांसद और महापौर रह चुके हैं. कांग्रेस ने 38 साल के युवा निखिल द्विवेदी को मौका दिया. वह पूर्व में एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव रह चुके हैं.

चिरमिरी नगर निगम

भाजपा ने रामनरेश राय को मौका दिया था. वे पेशे से वकील हैं. कांग्रेस ने 50 वर्षीय विनय जायसवाल को प्रत्याशी बनाया था. उन्होंने एमबीबीएस की पढ़ाई की है. विनय जायसवाल मनेंद्रगढ़ विधानसभा से 2018 में विधायक भी रह चुके हैं.

धमतरी नगर निगम

भाजपा ने धमतरी जिले से जगदीश रामू रोहरा को महापौर पद के लिए प्रत्याशी बनाया है, वे वर्तमान में भाजपा प्रदेश महामंत्री हैं. वहीं कांग्रेस प्रत्याशी विजय गोलछा का नामांकन रद्द कर दिया. इसके बाद कांग्रेस ने यहां से अपना और अधिकृत प्रत्याशी नहीं उतारा.

कहाँ कितने पड़े मतदान

धमतरी में 67.03 प्रतिशत मतदान

- नगर पालिका निगम धमतरी में 59.17 प्रतिशत मतदान
- नगर पंचायत आमदी में 87.86 प्रतिशत मतदान
- नगर पंचायत कुरूद में 77.57 प्रतिशत मतदान
- नगर पंचायत भखारा में 87.86 प्रतिशत मतदान
- नगर पंचायत मगरलोड में 83.83 प्रतिशत मतदान
- नगर पंचायत नगरी में 78.92 प्रतिशत मतदान

राजनांदगांव जिले में मतदान

- राजनांदगांव में 63.88 प्रतिशत मतदान
- डोंगरगढ़ में 70.62प्रतिशत मतदान
- डोंगरगांव में 72.65प्रतिशत मतदान
- छुरिया में 9मतदान

लाल बहादुर नगर में 89.73प्रतिशत मतदान

कोरबा जिले में 51.66 % मतदान

- नगर पालिका निगम कोरबा में 48.44% मतदान
- नगर पंचायत छुरीकला में 78.23% मतदान
- नगर पालिका परिषद दीपका में 48.09% मतदान
- नगर पालिका परिषद कटघोरा में 67.57% मतदान
- नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा में 62.77% मतदान
- नगर पंचायत पाली में 71.38% मतदान

कांकेर जिले में मतदान की स्थिति

- नगर पालिका परिषद कांकेर में 74.40 प्रतिशत मतदान
- नगर पंचायत चारामा में 86.55प्रतिशत मतदान
- नगर पंचायत भानुप्रतापपुर में 75.74प्रतिशत मतदान
- नगर पंचायत अंतागढ़ में 79.47 प्रतिशत मतदान
- नगर पंचायत पखांजूर में 76.04 प्रतिशत मतदान
- रायगढ़ जिले में 70.91 प्रतिशत मतदान
- खरसिया में 68.56 प्रतिशत मतदान
- पुसौर में 81.89 प्रतिशत मतदान
- किरोड़ीमल नगर में 68.87 प्रतिशत मतदान
- घरघोड़ा में 76.44 प्रतिशत मतदान
- धरमजयगढ़ में 70.73 प्रतिशत मतदान
- लैलूंगा में 77.36 प्रतिशत मतदान

राजिम कुंभ कल्प का भव्य आयोजन 12 से 26 फरवरी तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रयाग के रूप में प्रसिद्ध राजिम में माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक आयोजित होने वाले राजिम कुंभ कल्प 2025 की भव्य तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस वर्ष का आयोजन 12 फरवरी से 26 फरवरी 2025 तक होगा। नया मेला स्थल चौबे बांधा, राजिम में लगभग 54 एकड़ में यह भव्य मेला लगेगा। राज्यपाल श्री रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में 12 फरवरी को इस पवित्र मेले का शुभारंभ करेंगे। उनके साथ विशिष्ट संत महापुरुषों की उपस्थिति इस आयोजन को और भी दिव्य बनाएगी।

राजिम कुंभ कल्प की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में पहचान बनी है। इस आयोजन से सांस्कृतिक समृद्धि, धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। इस बार के मेले में विशाल संत समागम, यज्ञ, प्रवचन, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण होंगे।

इस वर्ष के राजिम कुंभ कल्प में देशभर के संत, महंत और आध्यात्मिक गुरु अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। शुभारंभ समारोह में शंकराचार्य आश्रम रायपुर के दंडी स्वामी डॉ. इंदुभवानंद तीर्थ जी महाराज, दूधाधारी मठ रायपुर के राजेश्री महंत श्री रामसुंदर दास जी महाराज, संत श्री विचार साहेब जी महाराज (श्री कबीर संस्थान, रायपुर), स्वामी डॉ. राजेश्वरानंद महाराज सहित अनेक संतों की उपस्थिति इस धार्मिक आयोजन की गरिमा को और बढ़ाएगी।राजिम कुंभ कल्प में धार्मिक अनुष्ठानों, प्रवचनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला होगी। त्रिवेणी संगम में प्रतिदिन संध्या 6.30 बजे महानदी आरती, मुख्य मंच, नया मेला स्थल, चौबे बांधा में शाम 4 बजे से 7 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। पूज्य डॉ. संजय कृष्ण सलिल जी महाराज, नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर द्वारा 13 फरवरी से 19 फरवरी तक शाम 4 से 7 बजे तक भागवत कथा, संत श्री गुरूशरण जी महाराज पंडोखर सरकार, दतिया द्वारा 21 फरवरी से 25 फरवरी तक सत्संग दरबार तथा 12 फरवरी से 26 फरवरी तक राष्ट्रीय एवं आंचलिक कलाकारों द्वारा शाम 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

एआई शिखर सम्मेलन से पहले मैक्रों ने मोदी का किया स्वागत

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेरिस आगमन पर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने खुशी व्यक्त की। इस संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया।

पोस्ट में उन्होंने लिखा, पेरिस में आपका स्वागत है, मेरे दोस्त नरेंद्र मोदी। आपसे मिलकर अच्छा लगा। एआई एक्शन समिट के लिए हमारे सभी भागीदारों का स्वागत है। चलिए अब काम पर लगते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एआई सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पेरिस एयरपोर्ट पर पहुंचे ही उनका भव्य स्वागत किया गया। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्शन समिट 2025 के तीसरे संस्करण की सह-अध्यक्षता करेंगे।

प्रमुख समाचार

जेपी नड्डा ने 10 विधायकों से की मुलाकात

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद भाजपा के 10 नवनिर्वाचित विधायकों ने मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।इन विधायकों में विजेंद्र गुप्ता, रेखा गुप्ता, अरविंदर सिंह लवली, अजय महावर, सतीश उपाध्याय, शिखा राय, अनिल शर्मा और डॉ. अनिल गोयल, कपिल मिश्रा और कुलवंत राणा शामिल हैं। इस विधायकों में 3 से 4 चेहरे मुख्यमंत्री पद के दावेदार बताए जा रहे है। दिल्ली चुनाव में पार्टी की जीत के बाद भाजपा ने सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसे में भाजपा विधायकों की जेपी नड्डा से मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है।इससे पहले कुछ नवनिर्वाचित विधायकों ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से भी मुलाकात की। अरविंद केजरीवाल को हराने वाले नई दिल्ली के विधायक प्रवेश वर्मा, कैलाश गहलोत और अरविंदर सिंह लवली समेत जीते हुए तमाम विधायकों ने एलजी वीके सक्सेना से मुलाकात की थी। वहीं सोमवार शाम भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की।

घर जाऊंगा, ठंडे पानी से नहाऊंगा, रोटी खाऊंगा- विज

नईदिल्ली। हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने राज्य बीजेपी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी होने को लेकर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैं बेंगलुरु से लौटा हूं। मैं सबसे पहले घर जाऊंगा, %ठंडे पानी से नहाऊंगा, रोटी खाऊंगा, बैठ कर मैं जवाब लिखूंगा... और इसे हाईकमान को भेजूंगा। आपको बता दें कि हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली द्वारा भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि विज के बयान सार्वजनिक रूप से उस समय दिए गए थे जब पार्टी पड़ोसी राज्य में सक्रिय रूप से चुनाव अभियान में लगी हुई थी। नोटिस में कहा गया है कि विज के बयानों से संभावित रूप से पार्टी की छवि और एकता को नुकसान पहुंचा है। पार्टी ने ऐसी टिप्पणियों को अस्वीकार्य बताते हुए विज से तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है। पिछले महीने विज ने शनिवार को कहा था कि मोहन लाल बडोली को निर्दोष पाए जाने तक पार्टी की पवित्रता बनाए रखने के लिए राज्य भाजपा प्रमुख के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उनका यह बयान बदोली पर सामूहिक बलात्कार के मामले में मामला दर्ज होने के बाद आया है।

अश्लील जोक्सः रणवीर और समय रैना की बढ़ी मुश्किलें

भोपाल। समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पेरेंट्स पर किए गए अश्लील जोक्स को लेकर यूट्यूबर-पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मामले को लेकर हिंदू संगठन संस्कृति बचाओ मंच ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।हिंदू संगठन संस्कृति बचाओ मंच ने रणवीर के साथ ही समय रैना के भी खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके साथ ही संगठन ने दोनों को भोपाल नहीं आने की भी चेतावनी दी है।शिकायतकर्ता के अनुसार, रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना ने मर्यादा को तोड़ते हुए कॉमेडी शो के माध्यम से माता-पिता पर अश्लील कमेंट किया, जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और संस्कार को आघात पहुंचाती है और यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस प्रशासन से निवेदन है कि रणवीर और समय रैना के खिलाफ हिंदू जन-भावनाओं को आहत करने को लेकर केस दर्ज करें।बता दें, रणवीर और समय रैना पर महाराष्ट्र में एफआईआर हो चुकी है लेकिन अब भोपाल में भी हिंदू संगठन दोनों के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं।

पराली का न्यूनतम मूल्य तय करने की सिफारिश

नईदिल्ली। संसद की एक समिति ने दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए पराली जलाने की घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से पराली का बेंचमार्क न्यूनतम मूल्य तय करने और धान की जल्द तैयार होने वाली फसल को अपनाने की सलाह दी है।साथ ही, समिति ने कहा है कि रेड एंट्री वाले किसानों के लिए एक निश्चित समय बाद इससे बाहर निकलने का भी प्रावधान होना चाहिए। अधीनस्थ विधान संबंधी समिति के अध्यक्ष मिलिंद मुरली देवड़ा ने मंगलवार को राज्यसभा में एनसीआर और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए गठित आयोग पर अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है। समिति की अनुशंसा में कहा गया है कि आयोग को राज्य सरकारों से मशविरा कर पराली के लिए एक मानक न्यूनतम मूल्य तय करना चाहिए जो एमएसपी की तरह किसानों को पराली की बिक्री पर एक निश्चित आय की गारंटी प्रदान करे। इसकी हर साल समीक्षा का भी सुझाव दिया गया है। अनुशंसा में कहा गया है कि जिन इलाकों में पराली के अंतिम उपभोक्ता नहीं हैं, वहां 20-50 किलोमीटर पर भंडारण की सुविधा उपलब्ध कराई जाए ताकि किसानों पर पराली की ढुलाई का ज्यादा बोझ न पड़े। समिति ने कहा है कि पराली जलाने की एक प्रमुख वजह यह है ।

पीएम मोदी, नीतीश ने की गरीबों की चिंता-सम्राट

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार गरीबों के कल्याण की योजनाएं लागू कर सच्चे अर्थों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों का पालन कर रही है। दीनदयाल जी ने समाज में सबसे पीछे खड़े आदमी के जीवन में बदलाव लाने पर बल दिया था। चौधरी ने मंगलवार को दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर राजेंद्र नगर पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि मोदी सरकार ने 10 साल में 40 करोड़ जनधन खाते खोलवाए, 4 करोड़ गरीबों को पक्का मकान दिया और लाखों गरीब परिवारों को शौचालय तथा गैस कनेक्शन दिये। यह अन्त्योदय की भावना से ही संभव हुआ। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, विधान सभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव , स्थानीय विधायक सहित कई भाजपा नेता मौजूद रहे। चौधरी ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की पहल पर जातीय सर्वेक्षण होने से 94 लाख गरीब परिवारों की पहचान कर प्रत्येक परिवार को 2-2 लाख रुपये की सहायता दी गई।

बजट पर चर्चा का वित्त मंत्री ने दिया जवाब

समावेशी विकास सुनिश्चित करना है बजट का लक्ष्यः निर्मला सीतारमण

नईदिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में विश्व का परिदृश्य 180 डिग्री घूम गया है, बजट बनाना पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह बजट राष्ट्रीय विकास आवश्यकताओं का राजकोषीय प्राथमिकताओं के साथ संतुलन कायम करने वाला है।

संसद का बजट सत्र का पहला भाग चल रहा है। यह 31 जनवरी को शुरू हुआ और 13 फरवरी तक चलेगा। दूसरा सत्र 10 मार्च को फिर से शुरू होगा और 4 अप्रैल तक चलेगा। प्रश्नकाल और शून्यकाल के समापन के बाद आज राज्यसभा और लोकसभा ने केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा जारी रखी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब दिया। भाजपा की सांसद हेमा मालिनी ने प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन की व्यवस्था से जुड़े विपक्ष के दावों को खारिज करते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि वहां सबकुछ ठीक है और वह खुद वहां जाकर यह देख चुकी हैं। इसके साथ ही मालदीव की संसद के स्पीकर अब्दुल रहीम अब्दुल्ला ने अपने संसदीय शिष्टमंडल के साथ मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही देखी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में विश्व का परिदृश्य 180 डिग्री घूम गया है, बजट बनाना पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह बजट राष्ट्रीय विकास आवश्यकताओं का राजकोषीय प्राथमिकताओं के साथ संतुलन कायम करने वाला है। उन्होंने कहा कि सरकार 99 प्रतिशत उधारी का उपयोग पूंजीगत व्यय के लिए कर रही है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि बजट का फोकस गरीब,

युवा, अन्नदाता और नारी पर है। इसका आधार कृषि, स्वस्छ और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाओं और सुधारों को प्रस्तुत करना था, जो विकास, ग्रामीण समृद्धि और लचीलेपन के प्रावधान के साथ-साथ विकास के इंजन के रूप में थे।

उन्होंने कहा कि मंत्रालयों में परिचालन दक्षता में सुधार के लिए आजादी के बाद चौथा बड़ा कदम उठाया गया है। उन्हें छोटी रकम के लिए अनुमति मांगने हमारे पास आना पड़ता था। मंत्रालय अब अधिक सशक्त हैं, इसलिए धन के वितरण के संबंध में निर्णय जल्दी हो जाता है। कृषि उत्पादन में सबसे पिछड़े 100 जिलों में उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले 45 प्रतिशत घरों में एलपीजी कनेक्शन या स्वच्छ ईंधन नहीं था. अब करीब 32 करोड़ घरों तक, यानि करीब 100त्न घरों तक खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन उपलब्ध है. 10.3 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को 503 रु में एलपीजी सिरेंडर मिल रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को सदन में प्रश्नकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी की एक टिप्पणी के जवाब में कहा कि वह मछली नहीं खाते और शाकाहारी हैं। सदन में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछते हुए रूड़ी ने कहा कि देश में 95 करोड़ लोग मछली खाते हैं और एक करोड़ लोग मछली की पैदावार और मछली पकड़ने से जुड़े हैं। भाजपा सांसद ने आगे कहा, ''अध्यक्ष जी, पता नहीं आप मछली खाते हैं या नही।'' इस पर बिरला ने कहा, ''मैं नहीं खाता। मैं शाकाहारी हूं।'' समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज महाकुंभ की व्यवस्था में कथित खामियों और कई स्थानों पर यातायात जाम होने का हवाला देते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि वहां की तस्वीरें देखकर सनातन धर्म को मानने वाले हर व्यक्ति को बहुत दुख पहुंचा है। उन्होंने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि उत्तर प्रदेश की 'डबल इंजन' सरकार 'डबल ब्लंडर' कर रही है। यादव ने आरोप लगाया कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए बजट में कोई रोडमैप नहीं दिखाई देता है।

भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने, सोशल मीडिया, 'ओटीटी' मंचों पर अश्लील विषयवस्तु वाले कार्यक्रमों पर रोक लगाने और ट्रेनों में कुल्हड़ में चाय बेचे जाने जैसी मांगें सोमवार को लोकसभा में उठाई गईं। सदन में शून्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश के सलेमपुर से समाजवादी पार्टी (सपा) सदस्य रमाशंकर राजभर ने कहा कि भोजपुरी दुनिया के आठ देशों में बोली जाती है और यह पूर्वांचल के घर-घर में बोली जाने वाली है। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए। मध्य प्रदेश के उज्जैन से भाजपा सदस्य अनिल फिरोजिया ने सरकार से मांग की कि रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में चाय कुल्हड़ में बेची जानी चाहिए जिससे मिट्टी के बर्तन बनाने वाले लोगों को फायदा होगा।

निकाय चुनाव की वोटिंग के बीच आईईडी ब्लास्ट, एक जवान घायल

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव की वोटिंग के बीच दंतेवाड़ा में नक्सलियों की कायरना हरकत सामने आई है। दंतेवाड़ा के अरनपुर थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया है। इस ब्लास्ट में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हुआ है।

दंतेवाड़ा एसपी ने बताया कि आज थाना जागरगुंडा क्षेत्र अंतर्गत सीआरपीएफ 231 वाहिनी की एफ कंपनी कमलपोस्ट कैम्प से आसपास क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन, नक्सल गस्त सर्च अभियान हेतु रवाना हुए थे। जब टीम सर्च ऑपरेशन से वापस लौट रही थी, तब सीआरपीएफ की 231वीं बटालियन के हेड-कांस्टेबल एमएन शुक्ला का कदम अनजाने में दबाव-सक्रिय आईईडी पर पड़ गया। इस ब्लास्ट में हेड-कांस्टेबल एमएन शुक्ला घायल हो गए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार देकर तत्काल बेहतर उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर हायर सेंटर रायपुर रिफर किया गया है।

नक्सली अक्सर बस्तर क्षेत्र के अंदरूनी इलाकों में गश्त कर रहे सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने के लिए जंगली इलाकों में सड़कों और कच्चे रास्तों पर आईईडी लगाते

हैं। इस क्षेत्र में दंतेवाड़ा और सुकमा सहित सात जिले शामिल हैं।

महाराष्ट्र की ओर से पुलिस के हमले के कारण फंसे नक्सली

बीजापुर। छत्तीसगढ़ पुलिस ने बीजापुर जिले में अपना अभियान शुरू कर नक्सलियों को आश्चर्यचकित कर दिया और उन्हें घेरने में सफलता हासिल की। इस दौरान पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के 31 नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़े हमलों में से एक में, सुरक्षा बलों ने रविवार को इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में एक जंगली पहाड़ी पर 11 महिलाओं सहित 31 उग्रवादियों को मार गिराया। गोलीबारी में दो सुरक्षाकर्मी भी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया, हमें उनके सामरिक जवाबी आक्रामक अभियान (टीसीओसी) से पहले एक बैठक के लिए इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के सुदूर जंगलों में माओवादियों की तेलंगाना राज्य समिति, पश्चिम बस्तर डिवीजन और राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र समिति से संबंधित कैडरों की उपस्थिति के बारे में जानकारी मिली थी।

नक्सली मार्च और जून के बीच टीसीओसी को अंजाम देते हैं। इस दौरान वे अपनी गतिविधियां बढ़ा देते हैं। अधिकारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और बस्तर फाइटर्स की लड़ाकू इकाइयों को 7 फरवरी को क्षेत्र में अलग-अलग दिशाओं से तैनात किया गया था।

उन्होंने कहा, रणनीतिक रूप से आश्चर्य के तत्व का उपयोग करने के लिए, कुछ टीमों को पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र पुलिस के लॉन्च पैड से इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान में तैनात किया गया था। रविवार की सुबह, गश्ती दल एक पहाड़ी पर पहुंचे, जहां नक्सलियों की गतिविधि देखी गई।

अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी सुबह करीब आठ बजे शुरू हुई, जब सुरक्षा बलों ने पहाड़ी को घेरना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, मुठभेड़ के बीच नक्सली दो समूहों में बंट गए। एक समूह, जिसमें स्पष्ट रूप से तेलंगाना राज्य समिति के कैडर शामिल थे, पीछे हटने लगे, जबकि दूसरा समूह गोलीबारी में लगा रहा।

ऐसा प्रतीत होता है कि महाराष्ट्र की ओर से प्रवेश करने वाली गश्ती टीमों ने नक्सलियों को आश्चर्यचकित कर दिया था, क्योंकि उन्हें उस दिशा से बलों की आवाजाही का अनुमान नहीं था और उनकी संख्या कम थी। अधिकारी ने बताया कि रुक-रुक कर गोलीबारी शाम करीब चार बजे तक चली। अधिकारी ने कहा कि पहुंच मार्गों को बदलने की रणनीति से ऑपरेशन में बड़ी सफलता हासिल करने में मदद मिली क्योंकि 31 नक्सली मारे गए।

मुठभेड़ स्थल बीजापुर जिला मुख्यालय से लगभग 80 किमी दूर और महाराष्ट्र सीमा से छत्तीसगढ़ के अंदर 40 किमी दूर है। उन्होंने बताया कि तीन दिन तक चले ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने लगभग 100 किमी पैदल चलकर तय किया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बल माओवादियों के शवों को अस्थायी स्लिंग की मदद से लगभग पांच किलोमीटर तक ले आए, जिसके बाद हवाई परिवहन का सहारा लिया गया।

उन्होंने कहा, सुरक्षा बलों के लिए 31 शवों को अपने कंधों पर उठाकर लगभग 45 किमी तक पैदल चलना संभव नहीं था क्योंकि वे पहले से ही थके हुए थे, 7 फरवरी से ऑपरेशन पर थे। इसलिए, शहीद जवानों और दो घायल कर्मियों के शवों को निकालने के साथ-साथ हमने नक्सलियों के शवों को भी हवाई मार्ग से ले जाने का फैसला किया।

अधिकारी ने बताया कि कुछ जवान, ज्यादातर महिला कमांडो, जो निर्जलीकरण से पीड़ित थे, उन्हें भी हवाई मार्ग से बीजापुर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से चौबीस आग्नेयास्त्र और भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए हैं।

मारे गए 31 नक्सलियों में से पांच की पहचान खूंखार कैडरों के रूप में की गई है, जिन पर कुल मिलाकर 25 लाख रुपये का इनाम था। अधिकारी ने कहा कि पांचों में से, माओवादियों के पश्चिम बस्तर डिवीजन के डिवीजनल कमेटी सदस्य हुंगा कर्मा पर 8 लाख रुपये का इनाम था।

अधिकारी ने कहा, माओवादियों के पश्चिम और दक्षिण बस्तर डिवीजन क्षेत्र में उनकी सबसे मजबूत संरचनाएं हैं और पिछले एक साल में, पश्चिम बस्तर डिवीजन के कई प्रमुख कैडर समाप्त हो गए हैं।

इस साल अब तक राज्य में मारे गए 81 नक्सलियों में से 65 बीजापुर सहित सात जिलों वाले बस्तर संभाग में मारे गए। पुलिस के मुताबिक, पिछले साल छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षा बलों ने 219 नक्सलियों को मार गिराया था।

गृहमंत्री शर्मा ने लाइन में खड़े होकर किया मतदान

■ **कवर्धा निकाय चुनाव : महिला मतदाताओं में उत्साह**

कवर्धा। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव के लिए सुबह 8 बजे से वोटिंग शुरू हो गई है। कवर्धा जिले की दो नगर पालिका और 5 नगर पंचायत में मतदाता अध्यक्ष और पार्षद चुनेंगे। कवर्धा नगर पालिका क्षेत्र में मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिले रहा है। सुबह से मतदान केंद्र में लोग पहुंचे रहे हैं। मतदाताओं ने बताया, वे शहर विकास और मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रख कर अपना वोट दे रहे हैं।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी नगरीय निकाय चुनाव में मतदान किया। शर्मा कवर्धा के बाल मंदिर स्थित बूथ क्रमांक 43 पहुंचे और लाइन में खड़े होकर मतदान किया।

कवर्धा जिले के सभी 7 नगरीय निकाय में वार्डों की संख्या 120 है, जिसमें मतदाताओं की संख्या 78 हजार 817 है। इसके अंतर्गत पुरूष मतदाताओं की संख्या 38 हजार 578, महिला मतदाताओं की संख्या 40 हजार 239 है। इन सभी निकायों में 145 मतदान केन्द्र हैं।

नगर पालिका कवर्धा अंतर्गत वार्डों की संख्या 27 है, जिसमें मतदाताओं की संख्या 39 हजार 276 है। इसके अंतर्गत पुरूष मतदाताओं की संख्या 19 हजार 271, महिला मतदाताओं की संख्या 20 हजार 05 है। कवर्धा नगर पालिका अंतर्गत कुल 52 मतदान केन्द्र हैं।

नगर पालिका पंडरिया अंतर्गत वार्डों

की संख्या 18 है, जिसमें मतदाताओं की संख्या 14 हजार 715 है। यहां पुरूष मतदाताओं की संख्या 7 हजार 150, महिला मतदाताओं की संख्या 07 हजार 565 है। पंडरिया नगर पालिका अंतर्गत कुल 18 मतदान केन्द्र हैं।

नगर पंचायत पाण्डातराई अंतर्गत वार्डों की संख्या 15 है, जिसमें मतदाताओं की संख्या 5 हजार 650 है। यहां पुरूष मतदाताओं की संख्या 2 हजार 807, महिला मतदाताओं की संख्या 2 हजार 843 है। पाण्डातराई नगर पंचायत अंतर्गत कुल 15 मतदान केन्द्र है।

नगर पंचायत पिपरिया अंतर्गत वार्डों की संख्या 15 है, जिसमें मतदाताओं की संख्या 3 हजार 875 है। यहां पुरूष मतदाताओं की संख्या 1 हजार 920, महिला मतदाताओं की संख्या 1 हजार 955 है। पिपरिया नगर पंचायत अंतर्गत कुल 15 मतदान केन्द्र है।

नगर पंचायत इंदौरी अंतर्गत वार्डों की संख्या 15 है, जिसमें मतदाताओं की संख्या 4 हजार 731 है।यहां पुरूष मतदाताओं की संख्या 2 हजार 306, महिला मतदाताओं की संख्या 2 हजार 425 है। नगर पंचायत इंदौरी अंतर्गत कुल 15 मतदान केन्द्र है।

नगर पंचायत बोड़ला अंतर्गत वार्डों की संख्या 15 है, जिसमें मतदाताओं की संख्या 4 हजार 691 है।यहां पुरूष मतदाताओं की संख्या 2 हजार 297, महिला मतदाताओं की संख्या 2 हजार 394 है। नगर पंचायत बोड़ला अंतर्गत कुल 15 मतदान केन्द्र है।

नगर पंचायत लोहारा अंतर्गत वार्डों की संख्या 15 है, जिसमें मतदाताओं की संख्या 5 हजार 879 है।यहां पुरूष मतदाताओं की संख्या 2 हजार 827, महिला मतदाताओं की संख्या 3 हजार 52 है। नगर पंचायत लोहारा अंतर्गत कुल 15 मतदान केन्द्र है।

मतदान के बीच रायगढ़, दुर्ग और कोरबा में हंगामा

कोरबा। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय

चुनाव के लिए वोट डाले जा रहे हैं। इसी बीच रायगढ़ के वार्ड क्रमांक 19 में पैसे बांटने के आरोप पर बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा मचाया। वहीं कोरबा में मतदाता सूची को लेकर बीजेपी प्रत्याशी और नोडल अधिकारी के बीच तीखी नोक झोंक हुई।

रायगढ़ नगर निगम के वार्ड नंबर 19 के मतदान केंद्र में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भीड़ गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया की वह लोगों को पैसे बांट रहे हैं। जिसके बाद तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। किसी तरह पुलिस ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि बीजेपी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पोलिंग बूथ के भीतर घुस आए। जिसके बाद पुलिस ने दोनों ही पार्टी के कार्यकर्ताओं को पोलिंग बूथ से बाहर खदेड़ दिया।

कोरबा निगम में भी उस वक्त का माहौल गरमा गया जब भाजपा प्रत्याशी की नोडल अधिकारी के साथ मतदाता सूची में हुई गड़बड़ी को लेकर बहस हो गई। वार्ड नंबर 20 और वार्ड नंबर 19 में कई मतदाताओं के नाम दोनों जगह है। अलग-अलग वार्डों में पुराने सूची के हिसाब से वोट डाले जाने के चलते विवाद की स्थिति निर्मित हो गई।

दुर्ग नगर निगम के वार्ड 53 में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ के द्वारा लगाए गए पंडाल को भाजपा नेताओं ने ही हटवा दिया। जिसके बाद वहां विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। बीजेपी के कार्यकर्ता आपस में ही भिड़ गए। बता दें कि मतदाता पर्ची वितरण करने के लिए लगाए गए पंडाल को हटाने को लेकर वार्ड के ही भाजपा नेताओं के बीच आपस में विवाद हुआ था।

मृत व्यक्ति के नाम पर डाला गया वोट कांग्रेस ने की फर्जी मतदान की शिकायत

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ के 10 नगरीय निकायों में सुबह 8 बजे से मतदान जारी है। मतदान शुरू होते ही कई जगहों से विवाद तो कई जगह से ईवीएम मशीन में खराबी की खबर सामने आई लेकिन इस बीच गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से चौकाने वाला मामला समाने आया है। यहां मुर्दे भी वोट डाल रहे हैं और लोकतंत्र के भागीदार बन रहे हैं। इस घटना ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक, गौरेला के मिश्री देवी माध्यमिक स्कूल में वार्ड नं। 02 में वोट डाले जा रहे हैं। यहां मतदान के दौरान एक मृत व्यक्ति के नाम पर वोट डाला गया है। मृतक व्यक्ति का नाम आकाश साठे (उम्र 23 वर्ष) था, जिसका कुछ समय पहले ही निधन हो चुका था। घटना के बाद कांग्रेस पार्टी ने इस गंभीर मामले पर आपत्ति जताते हुए पीठासीन अधिकारी से शिकायत दर्ज कराई है।

कांग्रेस पार्टी के पार्षद प्रत्याशी नीरज साहू ने इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। मृत व्यक्ति के नाम पर वोट डाला गया है, जिसकी शिकायत मैंने रिटर्निंग ऑफिसर से की है। उन्होंने बताया कि मामले में अधिकारियों का कहना है कि हम इस पर जांच करते हैं। गड़बड़ी को जांच करने के बाद फिर जवाब दिया जाएगा। फिलहाल यह एक अकेला मामला सामने आया है।

तो एक बाल्टी में वोट खरीदना चाह रहे भाजपा प्रत्याशी! कांग्रेसियों ने पकड़ा

सूरजपुर। पूरे प्रदेश में आज नगरीय निकाय चुनावों के मतदान जारी है। इस बीच एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में कांग्रेस नेताओं ने

आरोप लगाए है कि भाजपा नेता वोटरों से वोट खरीदना चाह रहे है। इसके एवज में वे एक वोट के बदले एक-एक बाल्टी दे रहे है।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि उन्होंने बड़ी मात्रा में उन्होंने बाल्टी पकड़ी है। पूरा मामला सूरजपुर का है और ये आरोप कांग्रेस नेताओं ने वार्ड 12 के भाजपा प्रत्याशी ललित तिवारी पर लगाए है। बाल्टी पकड़ने वाले नेताओं का आरोप है कि पिता को वोट दिलाने के लिए वोटरों को बाल्टी के रूप में रिश्वत उनका बेटे दिलवा रहा था।

बता दें कि रायपुर और बिलासपुर में भी भाजपा प्रत्याशियों पर वोटरों को पैसे बांटने के आरोप लग चुके है। बिलासपुर में निर्दलीय प्रत्याशी ने भाजपा प्रत्याशी को पैसा बांटते रंगे हाथ पकड़ा। इस मामले में जब विवाद बढ़ा तो प्रत्याशी ने नोटों से भरा लिफाफा नाले में फेंक दिया।

वहीं रायपुर नगर निगम के वार्ड 9 मोतीलाल नेहरू से भाजपा प्रत्याशी गोपेश साहू के कार्यकर्ताओं पर मतदाताओं को प्रभावित करने का आरोप लगा है। स्थानीय वार्डवासियों ने उनके कार्यकर्ताओं को मिठाई और नगद राशि बांटते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया, जिससे चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मिठाई के डिब्बे में पैसे बांटने का वीडियो काफी वायरल हो रहा है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

मतदान केंद्र के बाहर भाजपा समर्थकों का हंगामा

बिलासपुर। नगरीय निकाय चुनाव के लिए मतदान के बीच बिलासपुर के मतदान केंद्र मिशन स्कूल के बाहर बीजेपी समर्थकों ने जमकर हंगामा मचाया। बताया जा रहा कि पोलिंग बूथ के बाहर भीड़ लगाने को लेकर विवाद हुआ। यह विवाद इतना बढ़ गया कि भाजपा समर्थकों ने पुलिसकर्मियों से साथ बहस करते हुए जमकर हंगामा मचाया। वहीं रायगढ़ निगम के सबसे ज्यादा चर्चित वार्ड नंबर 19 में भी मतदान के दौरान तनाव की स्थिति रही। पुलिस ने मतदान केंद्रों के बाहर खड़े लोगों को बाहर किया। शांतिपूर्ण चुनाव कराने मतदान केंद्र में बड़ी संख्या में पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। धमतरी के रिसाई पारा पोलिंग बूथ में भी विवाद और धक्का मुक्की का मामला सामने आया है। मतदान केंद्र में बार-बार आने जाने को लेकर युवती के साथ कुछ युवकों का विवाद हुआ। यहां युवती के साथ एक युवक ने बदसलूकी भी की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। पुलिस कर्मियों ने समझाइश देकर विवाद शांत कराया।

आदर्श मतदान केंद्र में पानी-छांव की व्यवस्था नहीं

तखतपुर। क्षेत्र में नगरीय निकाय चुनाव के लिए मतदान जारी है। तखतपुर के आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 3 में ईवीएम मशीन खराब होने पर मतदाताओं ने नाराजगी जताई। आदर्श मतदान केंद्र में वोटरों के लिए बैठने के लिए छांव और पीने के पानी की व्यवस्था भी नहीं है। इसके चलते वोटर परेशान होते रहे। कई वोटर बाद में आने की बात कहकर वापस लौट गए। लगभग आधे घंटे तक मतदान बाधित रहा। पानी-छांव की व्यवस्था को लेकर एसडीएम ने सीएमओ के ऊपर ढीकरा फोड़ दिया। इस मामले में बातचीत करने सीएमओ को कॉल किया गया लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। वहीं इस मामले में कलेक्टर ने जांच कराने की बात कही। कलेक्टर अवनीश कुमार शरण ने बताया कि मशीन खराब होना सामान्य प्रक्रिया है, जिसे समय सीमा पर ठीक कर लिया जाता है। उसका अपना एक प्रोटोकॉल है। बिलासपुर कलेक्टर अवनीश शरण और पुलिस कप्तान रजनेश सिंह ने तखतपुर मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और मतदान कर्मियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

बीजेपी और कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी ने किया मतदान

राजनांदगांव । नगरीय निकाय चुनाव के तहत आज राजनांदगांव जिले के 5 नगरीय निकायों में चुनाव के लिए वोटिंग हो रही है। राजनांदगांव नगर निगम से कांग्रेस ने निखिल द्विवेदी को अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं भाजपा ने मधुसूदन यादव को अपना प्रत्याशी बनाया है। राजनांदगांव जिले भर के 235 मतदान केंद्रों में सुबह 8 बजे से मतदान जारी है। राजनांदगांव कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसपी मोहित गर्ग ने भी कमला कॉलेज स्थित आदर्श मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दोनों अधिकारियों ने परिवार समेत पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया। राजनांदगांव जिले के कुछ मतदान केंद्रों में 4 ईवीएम मशीनों में खराबी पाई गई थी। इसके अलावा कुछ मतदान केंद्रों में मतदाता ने कन्फ्यूजन को लेकर शिकायत की है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि राजनांदगांव नगर निगम में आज मतदान काफी शांतिपूर्वक चल रहा है। कुछ जगहों पर तीन-चार मशीनों की खराबी की शिकायत आई थी, जिसे रिप्लेस कर दिया गया है।

वोटर्स उत्साहित, ईवीएम में आई तकनीकी खराबी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लीना कमलेश मंडावी ने नगर पालिका परिषद गौरेला के वार्ड क्रमांक 10 के मतदान केंद्र में मतदान किया। उन्होंने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला ज्योतिपुर स्थित मतदान केंद्र के कक्ष क्रमांक 1 में आम जन के साथ लाइन में लगकर मतदान किया। नगर सरकार का चयन करने के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने सुबह ही पोलिंग बूथ पहुंची और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कलेक्टर ने कहा कि मतदान आपका अधिकार भी है और कर्तव्य भी है। आप सभी अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 1 सरदार पटेल वार्ड में ईवीएम में तकनीकी दिक्कत की वजह से मतदान रोकना पड़ा। आदर्श मतदान केंद्रों में उमड़े वोटर्स = नगरीय निकाय चुनाव के लिए आदर्श मतदान केंद्रों में प्रशासन ने शानदार व्यवस्था की है। जिले में बनाए गए मतदान केंद्रों में मतदाता सुबह से ही अपना वोट डालने के लिए पहुंच रहे हैं।

एक नपा, 6 नगर पंचायत में चुनाव के लिए मतदान

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के तहत आज मतदान किया जा रहा है। वोट डालने के लिए मतदाता सुबह 8 बजे से लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतेजार कर रहे हैं। गरियाबंद नगरीय निकाय चुनाव के लिए भी वोटर्स में उत्साह दिख रहा है। सुबह 8 बजे से ही मतदान केंद्रों में भीड़ उमड़ रही है। पहली बार नगर पंचायत बनने के बाद देवभोग के लोगों में मतदान को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। गरियाबंद जिले में एक नगर पालिका और 5 नगर पंचायत क्षेत्र के लिए मतदान हो रहा है। कोपरा एवं देवभोग के दोनों नए नगर पंचायत में रिकॉर्ड तोड़ मतदान हो रहा है। मतदाताओं में उत्साह के चलते मतदान तेजी से हो रहा है छत्तीसगढ़ के सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों सहित 173 निकायों में मतदान जारी है। चुनाव में महापौर, वार्ड पार्षद और अध्यक्ष चुनने के लिए सुबह से लोग पोलिंग बूथ पहुंच रहे हैं और अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। मतदाताओं में वोटिंग को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

निर्णायक मोड़ पर नक्सल-मुक्त देश की मुहिम

■ **छत्तीसगढ़ में 13 महीने में 282 नक्सली ढेर, 900 से अधिक आत्मसमर्पण**

ज्योति भास्कर

देश में नक्सलियों के आखिरी बचे गढ़ छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के बेहद घने जंगलों में चलाए गए अभियान में सुरक्षाबलों द्वारा जिस तरह से घेर कर 31 नक्सलियों को ठिकाने लगाया गया, वह राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही रणनीतिक लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता है, जिससे यह संकेत भी मिलता है कि देश को नक्सल-मुक्त बनाने की मुहिम अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच रही है।

पिछले कुछ समय से सुरक्षाबल जिस तरह से ताबड़तोड़ अभियान चला रहे हैं, उससे मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद के सफाए के गृहमंत्री द्वारा किए गए आह्वान

के पूरा होने में भी अब कोई अड़चन नहीं दिख रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2023 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद अब तक तेरह महीनों में 282 नक्सली मारे जा चुके हैं और 925 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

छत्तीसगढ़ में चल रहा नक्सल विरोधी अभियान केंद्र व राज्य सरकार के बीच अभूतपूर्व तालमेल की भी मिसाल है। यह डबल इंजन सरकार की संयुक्त इच्छाशक्ति का ही नतीजा है कि सुरक्षाबल दक्षिणी बस्तर के साथ अबूझमाड़ जैसी जगहों पर भी अपने कैंप स्थापित कर रहे हैं, जिनका पूरी तरह सर्वे तक नहीं हुआ है और जो अब तक नक्सलियों के लिए सुरक्षित क्षेत्र माने जाते रहे हैं। इन कैंपों की खासियत यह है कि नियाद नेल्लानार योजना के तहत इनमें ग्रामीणों को उनके उपयोग की वस्तुएं मुहैया कराई जाती हैं, ताकि स्थानीय स्तर पर एक सकारात्मक संदेश दिया जा सके।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2019 से 2024 के बीच बस्तर क्षेत्र में करीब 100 पुलिस कैंपों का निर्माण इसी रणनीति का हिस्सा है, जिसके नतीजे भी अब दिखने लगे हैं। अपने ही लोगों पर हिंसा करना दुखदायी है, लेकिन जल, जमीन और जंगल पर आदिवासियों के अधिकारों को लेकर दशकों पहले शुरू हुए नक्सलवादी आंदोलन ने पिछले कुछ दशक से जिस तरह से आतंकी समूहों जैसा बर्ताव करना शुरू किया है और अत्याधुनिक हथियारों तक अपनी पहुंच बनाई है, उसे देखते हुए उनकी गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगना जरूरी भी है।

गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी नक्सलियों को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माना था। बीजापुर का कामयाब अभियान यकीनन सुरक्षा बलों के हौसले बढ़ाएगा, लेकिन यह समझना जरूरी है कि सैन्य अभियानों की अपनी सीमाएं होती हैं। स्थानीय स्तर पर नक्सलियों से सहानुभूति रखने वाले लोगों का भरोसा जीतने के लिए जरूरी है कि बुनियादी ढांचे, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं। नक्सलियों के खात्मे के उत्साह में निर्दोष आदिवासियों पर आंच न आए, इसका भी ख्याल रखना होगा।

माघ पूर्णिमा के अवसर पर आज लगेगा भव्य मेला

रायपुर। वर्ष भर में पड़ने वाली बारह पूर्णिमाओं में माघी पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है। यह दिन भगवान विष्णु और माता महालक्ष्मी को समर्पित माना जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य और पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। इस वर्ष माघी पूर्णिमा स्नान 12 फरवरी को किया जाएगा।

इसके साथ ही प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े मेले आयोजित किए जाते हैं, जिनमें से कुछ मेले अपनी भव्यता और परंपरा के कारण पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध हैं। इन मेलों में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, झूले, दुकानें और अन्य मनोरंजन के साधन भी

होते हैं, जो स्थानीय संस्कृति और परंपरा को दर्शाते हैं।

प्रमुख मेला

शिवरीनारायण मेला : जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण में माघ पूर्णिमा से 15 दिवसीय विशाल मेले का आयोजन होता है। यह मेला छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा और प्राचीन माना जाता है। श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान कर भगवान जगन्नाथ के दर्शन करते हैं।

राजिम माघी पुन्नी मेला: गरियाबंद जिले के राजिम में माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक 15 दिनों तक चलने वाला यह मेला आयोजित होता है। महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों के त्रिवेणी संगम पर स्थित राजिम को 'छत्तीसगढ़ का प्रयाग' कहा जाता है। यहां कुलेश्वर महादेव और राजीवलोचन मंदिर प्रमुख आकर्षण हैं।

रुद्री मेला: धमतरी जिले के रुद्री में महानदी तट पर स्थित रुद्रेश्वर महादेव घाट पर माघ पूर्णिमा के दिन मेला लगता है। श्रद्धालु यहां स्नान कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बृजमोहन ने पत्नी संग किया मतदान, कहा- सभी नगरीय निकाय में खिलेगा कमल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के लिए मतदान जारी है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पत्नी के साथ मतदान केंद्र मौदहापारा के दुर्गा कॉलेज में मतदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कमल खिलाने के लिए हमने मतदान किया है। प्रदेश के सभी नगरीय निकाय में कमल खिल रहा है। ईवीएम की खराबी को लेकर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, मशीन है, यह पहली बार तो नहीं है कि खराब हुई है। कांग्रेस के स्वभाव में ईवीएम पर सवाल उठाना है। जनता ने दिल्ली में भाजपा को बिठाया है। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय की सरकार बनाई है। वहीं अब सभी नगरीय निकाय में भाजपा का महापौर होगा। भाजपा की स्थानीय सरकार बनेगी।

मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद ने अपने मताधिकार का किया प्रयोग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सचिव पी. दयानंद ने रायपुर नगर निगम महापौर एवं वार्ड पार्षद निर्वाचन के लिए देवेंद्र नगर स्थित मतदान केंद्र में सपरिवार पहुंचकर मतदान किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों से लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। मतदान के बाद पत्रकारों से चर्चा में पी दयानंद ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती नागरिकों की भागीदारी पर निर्भर करती है, और प्रत्येक मतदाता का वोट क्षेत्र के विकास की दिशा तय करता है। उन्होंने कहा कि मतदान न केवल हमारा अधिकार है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है, जिससे हम अपने शहर और प्रदेश के भविष्य का निर्धारण करते हैं। उन्होंने युवाओं और प्रथम बार मतदान कर रहे नागरिकों से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे अपने मताधिकार का अवश्य प्रयोग करें।

विकास उपाध्याय ने भारत माता स्कूल में किया मतदान

रायपुर। लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में पहले मतदान फिर प्रचार की भूमिका निभाते हुए आज सुबह पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने सपरिवार टाटीबंध स्थित भारत माता स्कूल पहुंचकर मतदान किया। उन्होने वहां मौजूद मतदाताओं से शिष्टाचारवश मुलाकात भी की और लोगों से अधिकाधिक संख्या में मतदान करने की अपील भी की।

राजस्व सचिव अविनाश चंपावत ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

रायपुर। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत ने आज रायपुर नगर निगम के महापौर एवं वार्ड पार्षद निर्वाचन के लिए देवेंद्र नगर ऑफिसर कॉलोनी के मतदान केंद्र में मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने प्रदेशवासियों से लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील भी की।

आज आठ घंटे में 6 मंत्रियों के साथ बजट को लेकर चर्चा करेंगे वित्त मंत्री चौधरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के दूसरे बजट को अंतिम रूप देने का अंतिम चरण बुधवार से शुरु हो रहा है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी कल करीब आठ घंटे में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खेल व राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, उद्योग व श्रम मंत्री लखन देवांगन, स्वास्थ्य चिकित्सा व शिक्षा मंत्री जायसवाल, महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और गृह मंत्री विजय शर्मा के साथ बैठक कर कें होंगी मुख्य बजट प्रस्ताव और नवीन मद के प्रस्ताव को मंजूरी देंगे।

रायपुर में दिनदहाड़े 60 लाख की डकैती

रायपुर। रायपुर में नगरीय निकाय चुनाव के दौरान दिनदहाड़े अनुपम नगर के एक घर में 60 लाख की डकैती की वारदात हुई है। डकैत आर्मी ड्रेस पहनकर घर के भीतर घुसे थे। उन्होंने घर के भीतर बुजुर्ग को धमकाते हुए बंधक बना लिया। इसके बाद लाल सलाम बोलकर हल्ला किया। घर को बम से उड़ा देने की भी धमकी दी। मौके पर पुलिस के आला अफसर मौजूद है पुलिस ने खोजबीन शुरु कर दी है। सीसीटीवी फूटेज भी पुलिस को हाथ लगा है।

मतदान कक्ष तक ले जाने पर भीड़े कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ता

राजनांदगांव। गौरीनगर मतदान केंद्र में कांग्रेस के पार्षद पद के प्रत्याशी हफीज खान ने भाजपा प्रत्याशी अरविंद सिन्हा पर मतदाताओं को लुभाने की नीयत से मतदान कक्ष तक ले जाने पर आपत्ति पर भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ता आपस में भीड़ गए। करीब 15 से 20 मिनट तक दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं में तनातनी रही। हालांकि पुलिस की मौजूदगी से विवाद कुछ देर में थम गया।

अरुण साव ने परिवार सहित किया मतदान, वोटरों में उत्साह

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के लिए आज सुबह से वोटिंग जारी है। बिलासपुर में सुबह 8 बजे से ही लोग बड़ी संख्या में पोलिंग बूथ पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। मतदान को लेकर वोटरों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव भी अपने परिवार सहित मतदान करने अमेरी स्थित सेन्ट फ्रांसिस स्कूल पहुंचे। इस दौरान अरुण साव ने कहा कि मैने सपरिवार पहुंचकर मतदान किया है। सभी को मतदान कर अपनी जिम्मेदारी निभाना है।

अरुण साव ने कहा भाजपा ने अटल विश्वास पत्र जारी किया है। सुंदर शहर बनाने के लिए, स्वच्छ शहर बनाने के लिए, विकसित शहर बनाने के लिए यह पत्र जारी किया है। इसमें एक तरफ जहां आम लोगों के जीवन को सुलभ बनाना हो, प्रधानमंत्री आवास देने का मामला हो, शहरों की स्वच्छता का मामला हो, चाहे स्ट्रीट वेन्डरों के लिये व्यवस्था का मामला हो, गोकुल नगर को व्यवस्थित करने का मामला हो, चाहे युवाओं के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं करने का मामला हो, शहरों के समग्र विकास की एक योजना अटल विश्वास पत्र में भारतीय जनता पार्टी ने बनाई है।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मतदान करने के बाद शहरवासियों को भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दिल्ली में हुई बम्पर जीत के साथ प्रदेश के सभी नगर निगम में बम्बर जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय के जनता से यह अपील है कि मतदान करने जरूर जाएं। अटल विश्वास पत्र पर भरोसा करते हुए भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाएं। भारतीय जनता पार्टी ही शहरों को सुव्यवस्थित कर विकास करेगी। महापौर के प्रत्याशी, हमारे अध्यक्ष के प्रत्याशी, हमारे पार्षद पद के प्रत्याशी, उन सबको कमल का बटन दबाकर जिताएं।

अरुण साव ने कहा छत्तीसगढ़ के 173 नगरीय निकायों में आज मतदान हो रहा है। 10 नगर निगम, 49 नगर पालिका और 114 नगर पंचायत। सभी नगरी निकायों में चुनाव प्रचार के लिए गया हूं, नामांकन रैली में गया हूं, कार्यकर्ता सम्मेलन में गया हूं, आमसभा में गया हूं। 1 साल में 13 महीने में हमने नगरी निकायों के लिए जो काम किया वो जनता को सपष्ट रूप से प्रभावित करने वाला रहा है। जनता को लगा है कि शहरी विकास कोई कर सकता है तो भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है।

छत्तीसगढ़ के सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में महापौर, वार्ड पार्षद और अध्यक्ष पद के लिए वोटिंग जारी है। प्रदेश भर में सुबह से लोग अपने घरों से निकल कर पोलिंग बूथ पहुंच रहे हैं और अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। मतदान केंद्र पहुंचे मतदाताओं में वोटिंग को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

रायपुर कांग्रेस महापौर प्रत्याशी दीप्ती दुबे और भाजपा प्रत्याशी मीलन चौबे ने किया मतदान

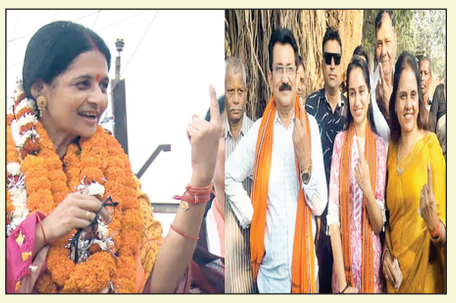

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया शाम पांच बजे तक जारी रहेगा। मतदान को लेकर सभी मतदाताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। युवा समेत बुजुर्ग भी मतदान करने मतदान केंद्र पहुंच रहे हैं। इस बीच रायपुर महापौर पद के भाजपा प्रत्याशी मीलन चौबे और कांग्रेस प्रत्याशी दीप्ती दुबे ने भी वोटिंग की है। दोनों सपरिवार समेत मतदान किए। इसके साथ ही दोनों प्रत्याशियों जनता से अपील की है।

रायपुर से भाजपा की महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने चंगोरा भाटा स्थित मतदान केंद्र में वोटिंग की। वोटिंग से पहले उन्होंने मां महामाया मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना कर जीत का आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने अपने परिवार के साथ वोटिंग की।

रायपुर भाजपा महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि इस बार जनता भाजपा के पक्ष में मतदान कर रही है। जनता में बहुत उत्साह देखने को मिल रहा है। मैंने लगातार 15 साल नगर निगम में जनता के अधिकारों के लिए काम किया है, भ्रष्टाचार के खिलाफ काम किया है, तो जनता मुझे मेरे अनुभव का पूरा लाभ देगी और हमारे पक्ष में मतदान होगा

रायपुर कांग्रेस महापौर प्रत्याशी दीप्ति दुबे ने मतदान किया है। उन्होंने आनंद समाज वाचनालय मतदान केंद्र में वोटिंग की। मतदाताओं के साथ दीप्ति दुबे और प्रमोद दुबे कतार में खड़े नजर आए। अपनी बारी आने का इंतजार करते रहे। इसके बाद उन्होंने मतदान किया। उन्होंने कहा कि जनता में मतदान को लेकर भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्वास है कि इस बार भी जनता कांग्रेस के पक्ष में वोट कर रही है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने सपरिवार किया मतदान

रायपुर। छत्तीसगगढ़ कांग्रेस संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने राजधानी रायपुर के भीमराव अम्बेडकर वार्ड मोवा में सपरिवार पहुंचकर मतदान किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से कांग्रेस के पक्ष में चुनाव करने के लिये आग्रह किया।

इससे पहले उन्होंने चर्चा में उम्मीद जताते हुए कहा कि प्रदेश की जनता सभी निकाय चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में मतदान करेगी। कांग्रेस ने पूरे प्रदेश के सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों पूरी आक्रमकता से अपना चुनाव अभियान चलाया है।

छत्तीसगगढ़ कांग्रेस संचार विभाग के चेयरमैन ने कहा कि हमारे सभी वरिष्ठ नेतागण प्रदेश के सभी क्षेत्रों में सड़क मार्ग से हेलीकाप्टर से दौरा कर जनता के बीच गये। कांग्रेस के पक्ष को रखा पूरी कांग्रेस एकजुट होकर मजबूती से चुनाव लड़ी। इसके विपरीत सत्तारूढ़ भाजपा बिखरी हुई दिख रही थी। उसके वरिष्ठ नेतागण चुनाव प्रचार की सिर्फ औपचारिकता कर रहे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री साय के जगदलपुर, रायपुर में रोड शो को जनता ने नकार दिया। यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी की सरकार के एक वर्ष की नाकामियों और वादाखिलाफी पर लड़ा गया था। सरकार के पास अपनी उपलब्धियों को बताने के लिये कुछ भी नहीं है। हमारे पास जनता को बताने के लिये सरकार की नाकामियों की लंबी सूची है। पिछले 1 साल में भाजपा की साय सरकार जनता की उम्मीदों पर विफल साबित हो चुकी है। सरकार से युवा, किसान, महिला, मजदूर, विद्यार्थी, अनुसूचित जाति, जनजाति हर वर्ग के लोग निराश है। सब सरकार से अपने आपको ठगा महसूस कर रहे हैं।

ईवीएम गड़बड़ी पर कांग्रेस महापौर उम्मीदवार दीप्ति दुबे का बड़ा बयान

■ **कहा चुनाव को प्रभावित करने की है कोशिश**

रायपुर। ईवीएम मशीन में गड़बड़ी को लेकर दीप्ति दुबे ने बड़ा बयान दिया है। दीप्ति दुबे रायपुर नगर निगम से कांग्रेस की महापौर उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा कि यह गड़बड़ी कहीं ना कहीं चुनाव परिणाम को प्रभावित करने के लिए की गई है, हालांकि उनका यह भी कहना था कि उन्हें रायपुर की जनता पर भरोसा है और वह अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं।

रायपुर नगर निगम से कांग्रेस महापौर की उम्मीदवार दीप्ति दुबे ने मतदान किया। वह अपने पति पूर्व महापौर प्रमोद दुबे के साथ वार्ड क्रमांक 47 ब्राह्मण पारा वार्ड स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 648 पर पहुंची। वहां पर दीप्ति अपने पति के साथ मतदाताओं की कतार में खड़ी रहीं और अपनी बारी का इंतजार किया। उसके बाद उन्होंने मतदान किया। इस दौरान प्रमोद दुबे ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के बाद मीडिया से खास बातचीत करते हुए दीप्ति दुबे ने कहा साफ सुथरा, स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देना, राजधानी का विकास करना, यह प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने चुनाव के दौरान भाजपा की ओर से बुर्का मीम को लेकर भी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान इस तरह की गतिविधियां उचित नहीं है।

भाजपा अध्यक्ष किरणदेव सिंह ने सपरिवार किया मतदान

नगरीय निकाय चुनाव के लिए सुबह 8 बजे से मतदान जारी है। जगदलपुर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक किरणदेव ने परिवार के साथ पोलिंग बूथ पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से वोट करने की अपील की।

राज्य निर्वाचन आयुक्त और रायपुर कलेक्टर ने सपरिवार किया मतदान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर मतदान जारी है। मतदान केन्द्रों में सुबह-सुबह मतदाताओं की भीड़ लगी है। मतदान को लेकर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में नगरीय निकाय चुनाव 2025 के तहत लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. अजय सिंह ने आज सपरिवार रायपुर नगर निगम के महापौर एवं वार्ड पार्षद निर्वाचन के लिए प्राथमिक शाला पुरैना मतदान केंद्र में मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने प्रदेशवासियों से लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने की अपील की।

रायपुर कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह आज सुबह अपने पत्नी के साथ मतदान केंद्र पहुंचे। उन्होंने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की। उन्होंने सपत्नीक फॉरेस्ट रेंज ऑफिस पंडरी के मतदान केंद्र में मतदान किया।

दुर्ग कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कतार में लगकर वोटिंग की। इस दौरान उनके साथ जिले के कई अधिकारी कर्मचारियों ने भी नियमों का पालन करते हुए मतदान किया। साथ ही उन्होंने मतदाताओं को मतदान के लिए अपील की। दुर्ग कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने जेआरडी स्कूल के मतदान केंद्र में की मतदान। उन्होंने निगम शहर क्षेत्र के नागरिको से कहा कि अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करें।

कोरबा कलेक्टर आकाश छिकारा ने अपने धर्मपत्नी के साथ मतदान के लिए मतदान केंद्र पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के निर्माण के लिए हर मतदाता का वोट अमूल्य है। मतदान का अवसर एक निश्चित अवधि में मिलता है, इसलिए इस महत्वपूर्ण अवसर को गवाए बिना अपने मताधिकार का उपयोग करें। सभी मतदाताओं से अपील की है कि लोकतंत्र के पर्व में शामिल होकर अपनी भागीदारी अवश्य सुनिश्चित करें।

सचिव परदेशी ने सपरिवार अपने मताधिकार का प्रयोग किया

सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने नगरीय निकाय चुनाव में सपरिवार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गार्गी परदेशी और उनकी सुपुत्री कु.यशस्विनी परदेशी ने भी वोट डालकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कु. यशस्विनी ने आज पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि लोकतंत्र में भागीदारी निभाने अनुभव काफी गर्व भरा और उत्साहजनक रहा। हर युवा को मतदान अवश्य करना चाहिए, क्योंकि यह हमारे देश और समाज के भविष्य को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सीएम साय का निकाय चुनाव में अच्छे रिजल्ट का दावा

भाजपा-कांग्रेस विधायक साथ साथ जाएंगे प्रयागराज महाकुंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने दावा किया है कि 13 महीने में जो हमने काम किया है, उसका अच्छा प्रसाद मिल रहा है और उसका असर नगरीय निकाय चुनाव में भी देखने को मिल रहा है। इस चुनाव में हमें जनता का आशीर्वाद मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अपने शहर और क्षेत्र के विकास के लिए जरूर मतदान करें। सीएम साय ने कहा कि मैंने प्रदेश का भ्रमण किया है। 13 महीने में हमारी सरकार ने विकास के कार्य किए हैं, उसका अच्छा प्रतिसाद मिलेगा। 13 महीने में मोदी की गारंटी के कामों को सरकार ने पूरा किया है। जनता का आशीर्वाद नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मिलेगा। प्रयागराज महाकुंभ यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि 13 तारीख को हमारे मंत्री, विधायक, और कांग्रेस के विधायक ने भी सहमति दी है कि सब मिलकर प्रयागराज महाकुंभ जा रहे हैं। ऐसा अवसर बार-बार नहीं आता है। 140 साल बाद ऐसा शुभ मुहूर्त आया है।

वहीं राजिम कुंभ की तैयारी को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्यपाल के द्वारा राजीव कुंभ का शुभारंभ किया जाएगा। राजिम कुंभ शिवरात्रि तक चलेगा। इसकी बहुत अच्छी तैयारी की गई है।

पुण्यतिथि में पर याद किए गए पं. दीनदयाल उपाध्याय

एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रवादी, उत्कृष्ट संगठनकर्ता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर, रायपुर के स्मृति मंदिर में उनकी प्रतिमा पर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, संगठन महामंत्री श्री पवन साय ने पुष्पांजलि अर्पित की।

1, 2, 3 नहीं बल्कि 4 बार खराब हुई ईवीएम मशीन

कोरबा। छत्तीसगढ़ के 10 नगरीय निकायों में मतदान जारी है। मतदाता बड़े उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने मतदान केंद्र पहुंच रहे हैं। कई जगह ईवीएम मशीन में तकनीकी खामी होने से वोटर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ा हालांकि व्यवस्था दुरुस्त होने के बाद फिर से मतदान का सिलसिला शुरू हुआ। लेकिन कोरबा जिले के दीपका नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 13 वीर सावरकर भवन में सुबह से अब तक ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) चार बार खराब हो चुकी है, जिसे बनाकर फिर से चालू किया गया है। जिससे मतदाता परेशान हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि ईवीएम की खराबी की वजह से मतदान में काफी समय की देरी हुई। खासकर नगर पालिका अध्यक्ष के लिए बटन दबाने पर पार्षद वाला बटन दबना बंद हो रहा है, जिससे वोटरों को अपनी पसंद का उम्मीदवार चुनने में समस्या हो रही है। घटना के बाद संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और मशीन को ठीक किया, जिसके बाद मतदान प्रक्रिया फिर से शुरू हो पाई।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में आज नगरीय निकाय चुनाव की वोटिंग हो रही है, जिसका परिणाम 15 फरवरी को घोषित होंगे। इस बार नगरीय निकाय चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से कराए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के 10 प्रमुख नगर निगमों में चुनाव हो रहे। इनमें अंबिकापुर, कोरबा, चिरमिरी, जगदलपुर, दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, राजनांदगांव, रायगढ़ और रायपुर नगर निगम शामिल हैं। इसके अलावा 49 नगर पालिकाओं और 114 नगर पंचायतों में भी चुनाव हो रहे।

एक ही परिवार के मतदाताओं को अलग-अलग वार्डों में मतदान की पर्ची बंटी

■ **मतदाता सूची में गड़बड़ी कई प्रकरण आए सामने**

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव के लिए जारी मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। एक ही परिवार के मतदाताओं को अलग-अलग वार्डों में मतदान के लिए पर्ची दी गई है। लोकसभा चुनाव के वक्त मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के दौरान कई मतदाताओं ने पूर्व की त्रुटि दुरुस्त कराई थी।

नगरीय निकाय चुनाव के लिए जब मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया, तब भी कई तरह की त्रुटियों को दुरुस्त किया गया, लेकिन निकाय चुनाव के लिए जब मतदाताओं तक पर्ची पहुंची तब विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची को आधार बना दिया गया। इस तरह के कई प्रकरण अब सामने आ रहे हैं। एक ही परिवार के मतदाताओं को अलग-अलग वार्डों या बूथों में मतदान की पर्ची दी गई है।

जानकार कहते हैं कि निकाय चुनाव के लिए यदि विधानसभा चुनाव की सूची को आधार बनाया गया है तो यह नियमों की अनदेखी है। इसका सबसे बड़ा नुकसान नए मतदाताओं को होगा। विधानसभा चुनाव के दौरान जिन युवाओं की आयु 18 वर्ष से कम थी उन मतदाताओं को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने की स्थिति में मतदान डालने का अधिकार नहीं दिया गया होगा। इसकी संख्या कितनी है फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है।

रिंग रोड नंबर 1 अग्रोहा सोसायटी निवासी विजय मिश्रा ने बताया कि उन्हें प्राथमिक शाला भवन रायपुरा वार्ड क्रमांक 69 में मतदान करने की पर्ची मिली है, वहीं उनकी पत्नी रत्ना मिश्रा को वार्ड क्रमांक 70 में डिपरा पारा घनश्याम नगर मतदान केंद्र की पर्ची मिली है।

इस पर रोष जताते हुए सीनियर सिटीजन विजय मिश्रा ने कहा कि चुनाव आयोग इसे संज्ञान में ले। ऐसी तमाम त्रुटियों को आगे आकर सुधार करे। साथ ही ऐसी त्रुटि करने वाले गैर जिम्मेदार लापरवाह अधिकारियों पर भी कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि इस तरह की त्रुटियां न केवल राजनीतिक पार्टियों के बीच अपितु मतदाताओं के बीच भी संदेहों को जन्म देती है, बल्कि निष्पक्ष चुनाव पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है। एक ही परिवार के सदस्यों के अलग-अलग वार्ड होने से अनेक कठिनाई आ सकती हैं।

अब आसान नहीं अरविंद केजरीवाल की राह

उमेश चतुर्वेदी

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है, तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसे दिल्ली की सियासी जंग और अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें, तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिये आम लोगों को खुशहाल और नये तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आये अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था। अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं, साथ ही खुद भी हार गये। अभी यह मान लेना जल्दबाजी है कि केजरीवाल की राजनीति खत्म हो गयी है, पर उनके लिए राह अब आसान नहीं रही। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ, तब लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिये देश और उनकी जिंदगी में प्रकाश फैलेगा। इस उम्मीद को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली बार आप को 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें मिलीं, तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें मिलीं। कभी बंगला और गाड़ी न लेने तथा वीआईपी कल्चर न अपनाने के वादे के साथ राजनीति में आये केजरीवाल धीरे-धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गये। दूसरे कार्यकाल में तो वह तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गये। पंजाब में आप की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। वैसे भी प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही कुमार विश्वास को पार्टी से वह पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके साथ रहे आंदोलन के दिनों के साथी मनीष सिसोदिया और स्वाति मालीवाल। पर शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने केजरीवाल की कलई खोल दी। केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किये। जैसे, मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, 200 यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सहूलियत दी। पर साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली गयी। डीटीसी के बेड़े से बसें भी कम होती चली गयीं। केजरीवाल के दौर में हवा-हवाई घोषणायें खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाये। लोग समझने लगे कि वह सिर्फ हवा-हवाई दावे करते हैं। पंजाब के चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रुपये महीने देने का वादा किया था, पर अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाये। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को मुफ़्त सहूलियत देने से पंजाब रोडवेज घाटे में है और कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। ये बातें दिल्ली की जनता तक पहुंचती रहीं। इससे केजरीवाल पर लोगों का भरोसा खत्म हो गया। पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 2,100 रुपये महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। पर बाद में भाजपा ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना 15 सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2,500 रुपये महीने की सम्मान निधि देने और 200 के बजाय 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने जैसे ऐलान किये,जिनका वोटरों पर असर दिखा। भाजपा ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिये और मंडल स्तर तक बड़े नेताओं को जिम्मेदारी दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। पार्टी कार्यकर्ता सक्रिय हुए और उन्होंने जमीनी स्तर पर काम किया। इसका असर चुनाव में दिखा। भाजपा की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस की भी है। हालांकि कांग्रेस को पिछले चुनाव की तुलना में दो फीसदी ज्यादा वोट मिले हैं, पर उसने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया।

आम आदमी पार्टी की हार, भाजपा की सरकार

सुरेश हिंदुस्तानी

कहा जाता है कि जिसको जल्दी सफलता मिलती है, वह उस सफलता को यथावत नहीं रख सकता। जिसको संघर्ष के बाद सफलता मिलती है, वह स्थायित्व को प्राप्त कर सकती है, क्योंकि संघर्ष करने से अनुभव आता है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को ऐसी ही सफलता मिली, जिसे संभालने का राजनीतिक अनुभव उनके पास नहीं था। लोक लुभावन वादे एक निश्चित अवधि तक ही सुख का अनुभव करा सकते हैं, वह लम्बे समय तक सफलता का आधार नहीं बन सकता। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में लगभग यही दिखाई दिया। केजरीवाल को बिना लम्बे परिश्रम के सत्ता मिल गई, जिसे वे स्थायित्व नहीं दे सके। वे खुद भी चुनाव हार गए और उनके बाद आम आदमी पार्टी में दूसरे नंबर पर आने वाले नेता मनीष सिसोदिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा।

दिल्ली राज्य में विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। इसमें अब तक अपने आपको अपराजेय मान रही आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ी निराशा हाथ लगी है। भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के साथ ही सरकार बनने का रास्ता साफ कर दिया है। चुनाव परिणाम के बारे में अध्ययन किया जाए तो यह ध्यान में आता है कि आम आदमी पार्टी का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने किया है। इससे विपक्ष का वोट विभाजित हो गया। इसका आशय यह भी है कि पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो आशातीत समर्थन मिला, वह समर्थन केवल आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं के प्रति पूरा समर्थन नहीं था। कहा जाता है कि पिछले चुनाव में अगर कांग्रेस का अंदरूनी समर्थन नहीं होता तो आम आदमी पार्टी राजनीतिक आकाश में चमक नहीं बिखेर सकती थी। इस पर एक बात कहना बहुत ही आवश्यक है कि जो दूसरों की शक्ति से चमकते हैं, उनकी चमक लम्बे समय तक नहीं रहती। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की चमक ऐसी ही थी। जहां तक पंजाब में सरकार बनाने की बात है तो यही कहना समुचित होगा कि वहां चुनाव के समय दिल्ली की योजनाओं को प्रचारित किया गया, जिसका राजनीतिक लाभ आम आदमी पार्टी को मिला।

दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणाम का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है

कि इस बार अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस को आईना दिखाने के प्रयास में अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम किया है। अगर अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस की बात मानकर गठबंधन कर लेते तो चुनाव परिणाम की तस्वीर कुछ और ही होती, लेकिन अरविन्द केजरीवाल का अहंकार ही उनको ले डूबा। हम जानते हैं कि एक बार आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि 卐मोदी जी दिल्ली में आम आदमी पार्टी को इस जन्म में तो आप हरा नहीं सकते卐। ऐसी भाषा को सुनकर यही लगता है कि केजरीवाल को अहंकार हो गया था। दूसरी बड़ी बात यह है कि उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे थे, इन सब आरोपों पर उन्होंने हमेशा भाजपा पर निशाना साधने का काम किया। जबकि यह सारा काम जांच एजेंसियों और सर्वोच्च न्यायालय ने किया। अरविन्द केजरीवाल को जेल भेजने का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का था, लेकिन उनका आरोप भाजपा पर था। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल की इस बात को झूंठ ही माना। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल इस तथ्य को भूल गए कि भारतीय जनता पार्टी का भी दिल्ली में व्यापक राजनीतिक प्रभाव है। लोकसभा के चुनाव में भाजपा को दिल्ली की सभी सीट प्राप्त होना, इसको प्रमाणित भी करता है। विधानसभा में भाजपा को भले ही कम सफलता मिली हो, लेकिन इससे भाजपा के राजनीतिक प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। बड़ी बात यह भी है कि भाजपा ने भी इस चुनाव को आम आदमी पार्टी की तर्ज पर ही लड़ा। भाजपा ने लोहे को लोहे से काटने की रणनीति पर काम किया, जिसमें भाजपा ने बाजी मार ली।

दिल्ली के चुनाव में इस बार जिस प्रकार से आधुनिक संचार तकनीक का प्रयोग किया गया, उसने भी केजरीवाल की कथनी और करनी की भिन्नता को ही उजागर किया। केजरीवाल एक बात पर टिके दिखाई नहीं दिए। वे कभी कुछ तो कभी उसके विपरीत दिखाई दिए। यमुना साफ करने के नाम पर बार बार वादे करना आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के लिए भारी पड़ गया। यह बात सही है कि वादे करना सरल है, उनको पूरा करना उतना ही कठिन है। केजरीवाल जो वादे कर रहे थे, वे वही वादे थे, जो उन्होंने दस वर्ष पूर्व किए थे। उनमें से कई बड़े वादे अब तक पूरे नहीं किए जा सके। सबसे बड़ा वादा यमुना साफ करने का ही था। इसके अलावा भ्रष्टाचार समाप्त करने के नाम पर गठित आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल खुद ही भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके थे। हद तो तब हो गई, ज़ब वे अपनी सरकार को जेल से ही चलाने लगे। उधर उनको ज़मानत मिलने पर सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दिया कि केजरीवाल न तो मुख्यमंत्री कार्यालय में जा सकते हैं और न ही किसी फ़ाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। केजरीवाल अभी भी आरोपी हैं, इसलिए उनका मुख्यमंत्री बनना असंभव ही था, क्योंकि अगर वे चुनाव जीतते तो बिना काम के मुख्यमंत्री ही रहते। ये सब भ्रष्टाचार के आरोप के कारण ही हुआ। वहीं दूसरी तरफ केजरीवाल के राजनीतिक गुरु के रूप प्रचारित समाजसेवी अण्णा हजारे इस चुनाव में केजरीवाल से रूठे से दिखाई दिए। इसको केजरीवाल के विरोधियों ने एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, जो सही निशाने पर जाकर लगा है।

दिल्ली चुनाव के बारे में मतदान के बाद किए गए सर्वेक्षण परिणाम को पुष्ट करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि सर्वेक्षण कई बार गलत भी साबित हुए हैं, लेकिन इस बार का सर्वेक्षण सटीक होकर वही तस्वीर दिखा रहे हैं, जो उन्होंने देखा। इससे ऐसा लगता है कि अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी अपना स्वयं का परीक्षण करने में चूक गए। उनको लगता ही नहीं था कि उनकी पार्टी सत्ता से बाहर भी हो सकती है।

आम आदमी पार्टी के सत्ता से बाहर होने के बारे में यह भी कहा जा रहा आम आदमी पार्टी को दूसरों ने कम उनके अपनों ने ही पराजित किया है। आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेता इस बात से नाराज थे कि आतिशी मार्लेना को मुख्यमंत्री क्यों बनाया। जबकि आम आदमी पार्टी में इस पद के लिए कई दावेदार थे। अत: यह स्वाभाविक थी जो नेता राजनीतिक आकांक्षा को लेकर कार्य कर रहे थे, उनके सपनों पर पानी फिर गया। कहा यह भी जा रहा है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद आतिशी खुद नहीं चाहती थी कि अरविन्द केजरीवाल जीत कर आएं, क्योंकि वे जीतते तो आतिशी को मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ता। इसलिए यह कहना उचित होगा कि आम आदमी पार्टी की पराजय में उनके अपनों का ही योगदान है। रही सही कसर कांग्रेस ने पूरी करदी। कहा यह भी जा रहा है कि इंडी गठबंधन का बिखराव भी आम आदमी पार्टी की पराजय का कारण बना। अभी तक राजनीतिक शून्यता का टैग लगा चुकी कांग्रेस पार्टी ने इस चुनाव को बहुत गंभीरता से लिया। कांग्रेस ने हालांकि उन्हीं क्षेत्रों में बहुत परिश्रम किया, जहां उनका व्यापक प्रभाव था। लगभग बीस सीटों पर किए गए इस प्रयास के कारण भले ही कांग्रेस अपेक्षित सफलता के द्वार तक नहीं पहुंची, लेकिन कांग्रेस के इसी प्रयास ने आम आदमी पार्टी के लिए सत्ता के मार्ग का दरवाजा बंद करने में प्रमुख भूमिका निभाई। पिछले लोकसभा चुनाव में साथ जीने मरने की कसम खाने वाले भाजपा विरोधी राजनीतिक दल एक मंच पर आकर मिलकर चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे, लोकसभा चुनाव में कहीं कहीं ऐसा दिखा भी, लेकिन दिल्ली के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल खुद ही अकेले मैदान में कूद गए। कांग्रेस भी मैदान में आ गई और विपक्ष का वोट, जो अब तक केजरीवाल को ही मिलता था, वह नहीं मिल सका। इसलिए कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी को हराने का काम किया।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

समाधि-भाष। और लौकिकी-भाषा का तो सोदाहरण निरूपण किया जा चुका है। अब प्रसङ्गोपात्त परकीया भाषा का विवेचन किया जाता है, यथा वेद में... (क) चत्वारि शृङ्गा त्रयो अस्य पादा द्वे शीर्ष सप्त हस्तासो अस्य। त्रिधा बद्धो वृषभो रोरवीति, महो देवो मत्या आविवेश ।। (ऋग्वेद 4। 58 ।3)

अर्थात् (क) एक वृषभ बैल है, जिसके चार सींग, तीन पाँव, दो सिर और सात हाथ हैं, वह तीन जगह से बन्धा हुआ है और बार बार दडूकता हुआ मनुष्यों में आ घुसा है। परन्तु है वह सब देवों में उत्तम देव । इस मन्त्र में जैसे बैल का वर्णन किया जा रहा है, लोक में कभी किसी ने ऐसे बैल को आज तक न देखा होगा और नां ही सुना होगा। यदि इस मन्त्र के वर्णनानुसार उक्त बैल का चित्र खेंचा जाये तो देखने वाले दङ्ग रह जाएंगे ।

भला ! चार सींग और दो शिर तो हुवे सो हुवे, तथा पांब भी तीन ही रहने दो, परन्तु वे सात हाथ कहां लटकाए जाएंगे ? पाठक जरा कल्पना कर देखें कि इस प्रकार का विलक्षण बैल कहीं मनुष्यों में दडूकता हुआ आ घुसे तो एक बार तो सर्व-साधारण के छक्के छूट जायें ! पुराण-विरोधी आलोचक परकीया भाषा के पुराणवर्णित ऊपर जैसे अंशों पर जो मखौल, जो उपहास, और जो बेपर की उड़ाया करते हैं, उससे कहीं अधिक मजाक एक वेदानभिज्ञ पामर उपर्युक्त मन्त्र पर भी खूब उड़ा सकता है। लेकिन साक्षरों की दृष्टि में इस प्रकार की अनर्गल आलोचनायें हिन्दू-ग्रन्थों महत्त्व को घटाने के बजाय उल्टा समालोचकम्मन्यों की ही खुश्क खोपड़ी की खुराफात व्यक्त करती हैं। नि:सन्देह नैष: स्थाणोरपराधो यदेनमन्धो न पश्यति, पुरुषापराध: स भवति के अनुसार वे स्वयं अपनी अशता का डिण्ढोरा पीटते हैं।

क्रमश: ...

संत रविदास

योगेश कुमार गोयल

समस्त भारतीय समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता और भाईचारे की सीख देने वाले 15वीं सदी के महान् समाज सुधारक संत रविदास का जन्म वाराणसी के गोवर्धनपुर गांव में माघ पूर्णिमा के दिन हुआ था। इसीलिए प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा के ही दिन उनकी जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष माघ पूर्णिमा 12 फरवरी को है, इसीलिए इसी दिन संत रविदास जयंती मनाई जा रही है। महान् संत, समाज सुधारक, साधक और कवि रविदास ने जीवन पर्यन्त छुआछूत जैसी कुरीतियों का विरोध करते हुए समाज में फैली तमाम बुराइयों के खिलाफ पुरजोर आवाज उठाई और उन कुरीतियों के खिलाफ निरन्तर कार्य करते रहे। उनका जन्म ऐसे विकट समय में हुआ था, जब समाज में घोर

अंधविश्वास, कुप्रथाओं, अन्याय और अत्याचार का बोलबाला था, धार्मिक कट्टपंथता चरम पर थी, मानवता कराह रही थी। उस जमाने में मध्यमवर्गीय समाज के लोग कथित निम्न जातियों के लोगों का शोषण किया करते थे। ऐसे विकट समय में समाज सुधार की बात करना तो दूर की बात, उसके बारे में सोचना भी मुश्किल था लेकिन जूते बनाने का कार्य करने वाले संत रविदास ने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करने के लिए समाधि, ध्यान और योग के मार्ग को अपनाते हुए असीम ज्ञान प्राप्त किया और अपने इसी ज्ञान के जरिये पीड़ित समाज एवं दीन-दुखियों की सेवा कार्य में जुट गए। उन्होंने अपनी सिद्धियों के जरिये समाज में व्याप्त आडम्बरों, अज्ञानता, झूठ, मक्कारी और अधार्मिकता का भंडाफोड़ करते हुए समाज को जागृत करने और नई दिशा देने का प्रयास किया।

संत रविदास को 'रैदास' के नाम से भी जाना जाता है। वे गंगा मैया के अनन्य भक्त थे। संत रविदास को लेकर 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत बहुत प्रचलित है। इस कहावत का संबंध संत रविदास की महिमा को परिलक्षित करता है। वे जूते बनाने का कार्य किया करते थे और इस कार्य से उन्हें जो भी कमाई होती, उससे वे संतों की सेवा किया करते और उसके बाद जो कुछ बचता, उसी से परिवार का निर्वाह करते थे। एक दिन रविदास जूते बनाने में व्यस्त थे कि तभी उनके पास एक ब्राह्मण आया और उनसे कहा कि मेरे जूते टूट गए हैं, इन्हें ठीक कर दो। रविदास उनके जूते ठीक करने लगे और उसी दौरान उन्होंने ब्राह्मण से पूछ लिया कि वे कहां जा रहे हैं? ब्राह्मण ने जवाब दिया, ''मैं गंगा स्नान करने जा रहा हूं पर चमड़े का काम करने वाले तुम क्या जानो कि इससे कितना पुण्य मिलता है!'' इस पर रविदास जी ने कहा कि आप सही कह रहे हैं ब्राह्मण देवता, हम नीच और मलिन लोगों के गंगा स्नान करने से गंगा अपवित्र हो जाएगी। जूते ठीक होने के बाद ब्राह्मण ने उसके बदले उन्हें एक कौड़ी मूल्य देने का प्रयास किया तो संत रविदास ने कहा कि इस कौड़ी को आप मेरी ओर से गंगा मैया को 'रविदास की भेंट' कहकर अर्पित कर देना।

ब्राह्मण गंगाजी पहुंचा और स्नान करने के पश्चात् जैसे ही उसने रविदास द्वारा दी गई मुद्रा यह कहते हुए गंगा में अर्पित करने का प्रयास किया कि गंगा मैया रविदास की यह भेंट स्वीकार करो, तभी जल में से स्वयं गंगा मैया ने अपना हाथ निकालकर ब्राह्मण से वह मुद्रा ले ली।

ट्रंपवाद की दुनिया पर नियंत्रण की कोशिश

प्रभु चावला

उपनिवेशवाद मर चुका है, उपनिवेशवाद अमर रहे। फिर अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गये डोनाल्ड ट्रंप यह समझ चुके हैं कि अमेरिकी साम्राज्यवाद को उदार लोकतंत्र के समर्थक राष्ट्रपतियों ने कमजोर कर दिया है। ट्रंप अमेरिका को द्वितीय विश्वयुद्ध से पहले के दौर में वापस ले जाना चाहते हैं, जब तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रेंकलिन रूजवेल्ट ने अमेरिका को यूरोप और बर्लिन की मुश्किलों से अलग-थलग कर रखा था। हालांकि 1940 का वह दशक ब्रिटेन और यूरोप के दुर्दिनों का दशक था, जब अमेरिकी साम्राज्यवाद का उभार हो रहा था। आज ट्रंप अमेरिका के मुकुट विहीन राजा हैं, जिनकी निगाहों में दुनिया का सारा कुछ है। चुनाव जीतकर आये ट्रंप उस दौर में विलय और अधिग्रहणों के जरिये अपने साम्राज्य का विस्तार कर रहे हैं, जब सच-झूठ पर नजर रखने वाला कोई अंपायर नहीं है। उनका सपना ही उनका मिशन है।

जब पूंजीवाद ने फिर से पैसे की ताकत साबित की है, तब ट्रंपवाद शीर्ष पर है। सब कुछ खा लेने वाले ट्रंपवाद ने दुनिया का सब कुछ अधिगृहीत कर लिया है। एक तरफ ट्रंप के विरोधी उन पर बिना सोचे-समझे कदम उठाने का आरोप लगा रहे हैं, दूसरी तरफ खुद ट्रंप ग्रीनलैंड को खरीदना चाहते हैं, पनामा नहर पर कब्जा जमाना चाहते हैं और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाना चाहते हैं। उनके पागलपन में एक पैटर्न है।

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति की गिद्धदृष्टि अब युद्धजर्जर गाजा पर है। हालांकि ह्वाइट हाउस के घबराये हुए वरिष्ठ कर्मचारी अब कह रहे हैं कि ट्रंप ने कभी नहीं कहा कि अमेरिका गाजा पर कब्जा कर उसे भूमध्यसागरीय रिवेरिया में विकसित करेगा, पर खुद राष्ट्रपति ट्रंप को अपने कारोबार को आगे बढ़ाने के बारे में बताने में कभी संकोच नहीं हुआ। ह्वाइट हाउस में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौजूदगी में ट्रंप ने अपनी गाजा योजना का खुलासा किया, 'हम उसे ले लेंगे और उस पूरे क्षेत्र में पड़े

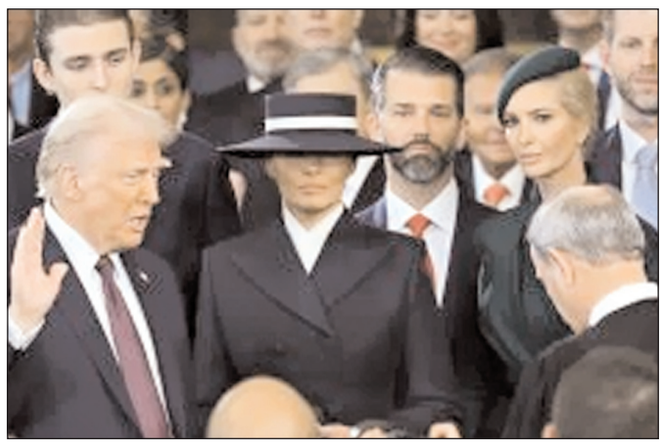

बिना फूटे बमों व दूसरे हथियारों को हटा देंगे। ध्वस्त मकानों को गिराकर पूरे इलाके को समतल कर देंगे। हम वहां आर्थिक विकास का काम शुरू करेंगे, जिससे कि आसपास के लोगों को रोजगार और रहने की जगह मिल सके। हम कुछ अलग काम करेंगेज यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है। मैंने जिनसे भी बात की है, उन सबको यह विचार पसंद आया है कि अमेरिका गाजा को ले लेगा, उसे विकसित करेगा तथा हजारों लोगों को रोजगार देगा।'

ट्रंप के दलाल और प्रॉपर्टी डेवलपर दामाद जरद कशनर का, जो ट्रंप के पहले राष्ट्रपति काल में पश्चिम एशिया में अमेरिका के विशेष दूत थे, और जिनके कारण इस्राइल और अरब देशों के बीच रिश्ता सामान्य बनाने वाला अब्राहम समझौता संभव हुआ था, कहना है, 'अगर लोग रोजगार के लिए आगे आयें, तो गाजा की रिवरफ्रंट प्रॉपर्टी काफी कीमती हो सकती है।' वर्ष 2024 में कशनर ने अरब-इस्राइल विवाद को रियल एस्टेट विवाद बताकर पूरे संकट को एक नया मोड़ तो दे ही दिया था, इस ओर भी इशारा किया था कि कॉरपोरेट भू-राजनीति वैश्विक विमर्श को नया रूप दे सकती है।

यह पहली बार नहीं है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने विस्तारवादी दुस्साहस का परिचय दिया है। अपनी नीतियों और फैसलों के बारे में अपने स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर वह बताते हैं। इसी पर उनकी पोस्ट है, 'कनाडा को अमेरिका हजारों डॉलर की सब्सिडी देता है। इतनी भारी सब्सिडी के बगैर एक देश के रूप में कनाडा का अस्तित्व संभव ही नहीं है।' ग्रीनलैंड के बारे में ट्रंप ने कहा, 'मुझे समझ में नहीं आता कि इस पर डेनमार्क के दावे का आधार क्या है, लेकिन अगर वह अमेरिका की योजना को फलीभूत नहीं होने देता, तो वह एक शत्रुतापूर्ण कदम होगा, क्योंकि ग्रीनलैंड के बारे में अमेरिका की योजना मुक्त विश्व के संरक्षण की योजना है।'

वर्ष 2019 में उन्होंने कहा था कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जा रणनीतिक कारणों और वैश्विक सुरक्षा के लिए जरूरी है। अब ट्रंप की टिप्पणी यह है, 'पनामा नहर पर चीन का नियंत्रण है, जबकि वह चीन को नहीं, बल्कि पनामा को मूर्खतापूर्ण तरीके से दिया गया था (1977 में जिमी कार्टर द्वारा), लेकिन चीन ने समझौते का उल्लंघन किया, और हम वह नहर वापस लेने जा रहे हैं। जल्दी ही कुछ बड़ा होने वाला है।' ट्रंप ने डॉलर साम्राज्यवाद को भी आक्रामक ढंग से पेश करते हुए इसे वैश्विक व्यापार और वाणिज्य की प्रमुख मुद्रा बनाये रखने का ठोस संदेश दिया है। पिछले कुछ वर्षों से चीन के नेतृत्व में कुछ देश प्रमुख वैश्विक मुद्रा के रूप में डॉलर को हटाना चाहते हैं, ताकि विश्व व्यापार को अमेरिकी नियंत्रण से मुक्त किया जा सके।

अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान का मानना है कि ब्रिक्स के मूल सदस्य देश-ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका एक वैकल्पिक वैश्विक मुद्रा पर काम कर रहे हैं। हालांकि भारत शुरू से ही इस आरोप को खारिज करता आया है। ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा है, 'यह ज्ञात तथ्य है कि ब्रिक्स देश डॉलर से अलग होने की कोशिश में हैं। शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने वाले इन देशों से हम यह आश्वासन चाहते हैं कि वे न तो ब्रिक्स की कोई करेंसी लायेंगे, न ही ताकतवर अमेरिकी डॉलर को विस्थापित करेंगे। अगर वे इसका उल्लंघन करते हैं, तो उन पर 100 फीसदी शुल्क लगाया जायेगा और उन्हें अमेरिकी बाजार में अपने उत्पाद बेचने से हाथ धोना होगा। ब्रिक्स द्वारा अमेरिकी डॉलर को विस्थापित करने की कोई गुंजाइश नहीं है।'

ट्रंप का नारा, 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अब 'मेक अमेरिका ग्लोबली मेड अगेन' में बदल गया है। अपने विस्तारवादी अभियान में व्यापार के पारंपरिक कौशल को ट्रंप ने आधुनिक अंतरराष्ट्रीयतावाद से जोड़ दिया है। उनके कॉरपोरेट दोस्त कब के खत्म हो चुके ब्रिटिश साम्राज्यवाद से प्रेरणा ले रहे हैं। शायद उन्हें यह बताया गया हो कि अपने सामान और कारोबार के जरिये व्यापार और इलाकों को जीतना आसान है। वर्ष 1600 में ब्रिटिश इस्ट इंडिया कंपनी समुद्र के रास्ते भारत आयी थी और 1757 तक उन्होंने भारत के एक बड़े हिस्से पर कब्जा जमा लिया था। ट्रंप की विस्तारवादी महत्वाकांक्षी भले ही हू-ब-हू वह न हो, लेकिन उन्होंने एलन मस्क, मार्क जुकरबर्ग और जेफ बेजोस जैसी ताकतवर शख्सियतों को अपने प्लेटफॉर्मों के जरिये दुनिया को जोड़ने के अभियान में नियुक्त कर रखा है। मस्क यूक्रेन में जेलेंस्की से, रूस में पुतिन से और पश्चिम एशिया के नेताओं से संपर्क साधे हुए हैं। ट्रंपवाद का सपना वैश्विक नियंत्रण के उसी साम्राज्यवाद की स्थापना का है, जिसमें कभी सूर्य अस्त न होता हो।

आज का इतिहास

1877 अमेरिकी रेलवे बिल्डर्स मजदूरी में कमी के खिलाफ हड़ताल किया।
1912 चीन ने ग्रेगोरियन कैलेंडर को अपनाया।
1912 शिन्हाई क्रांति-पुई, चीन के अंतिम सम्राट, सैन्य अधिकारी और राजनेता युआन शिकाई द्वारा दलाली का सौदा, औपचारिक रूप से चीन में एक नए गणतंत्र के साथ किंग राजवंश की जगह ले रहा है।
1912 शिन्हाई क्रांति: चीन के अंतिम सम्राट पुई को सैन्य अधिकारी और राजनेता युआन शिकाई द्वारा दलाली के तहत उकसाया गया, जो औपचारिक रूप से चीन में एक नए गणतंत्र के साथ किंग राजवंश की जगह ले रहा है।
1914 वाशिंगटन, डी.सी. में, लिंकन मेमोरियल का पहला पत्थर रखा गया।
1946 ब्लैक यूनाइटेड स्टेट्स के सेना के दिग्गज आइजैक वुडार्ड को एक दक्षिण कैरोलिना पुलिस अधिकारी ने इस बात के लिए बुरी तरह से पीटा था कि उन्होंने अपनी दृष्टि को दोनों आँखों में खो दिया, एक घटना जो नागरिक अधिकारों के आंदोलन को प्रेरित करती थी।
1947 फ्रांसीसी डिजाइनर क्रिश्चियन डायर ने एक %न्यू लुक% का अनावरण किया, जिसने महिलाओं की पोशाक में क्रांति ला दी और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पेरिस को फैशन की दुनिया का केंद्र बना दिया।
1947 सिख-अलीन उल्कापिंड (खंडित चित्र), कभी देखा गया लोहे के उल्का पिंडों में से एक, साइबेरिया में सिख-अलिनरेग में गिर गया।
1948 मिस्र के विख्यात संघर्षकर्ता और इख़्वानुल मुसलमीन संगठन के संस्थापक हसन-अल-बन्ना को ब्रिटेन और तत्कालीन मिस्री नरेश मलिक फ़ारुक़ ने षडयंत्र रच कर शहीद करवा दिया।
1951 मोहम्मद रजा शाह ने सोराया ऐस्पेन्डीरी बख्तियार से शादी की।
1988 एंथोनी कैनेडी को संयुक्त राज्य अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया।
1994 नेशनल गैलरी ऑफ नॉर्वे से एडवर्ड मुंक की विख्यात पेटिंग द स्क्रीम चोरी हुई।
1995 मार्क फोस्टर ने लगभग 23.55 सेकंड में 50 मीटर तितली तैर कर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।
1999 सीनेट ने राष्ट्रपति क्लिंटन को शपथ दिलाई जो शपथ के तहत झूठ बोल रहे थे और लेविंस्की के मामले में न्याय में बाधा डाल रहे थे।

आखिर तीसरे मोर्चे के सियासी तीरंदाजों का राजनीतिक भविष्य अब क्या होगा?

कमलेश पांडे

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान भाजपा और कांग्रेस विरोधी क्षेत्रीय दलों ने जो पारस्परिक एकजुटता दिखाई, उससे भी यहां पिछले 12 वर्षों तक सत्तारूढ़ रही आम आदमी पार्टी यानी %आप% की सियासी भलाई संभव नहीं हो पाई और भाजपा नीत एनडीए के हाथों %आप% को करारी चुनावी मात मिली। इस चुनाव में 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा की 48 सीटों पर जहां भाजपा ने बाजी मारी, वहीं आप को उसने महज 22 सीटों पर ही समेट दिया।

वहीं, दिल्ली पर सत्तारूढ़ रही इंडिया गठबंधन की सहयोगी आप की रणनीति ही ऐसी मारक रही कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस का यहां तीसरी बार भी खाता नहीं खुलने दिया, जिससे उसके रणनीतिकारों की राजनीतिक पेशानी पर बल पड़ना स्वाभाविक है। बता दें कि 2015, 2020 और 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को एक भी सीट पर चुनावी सफलता नहीं मिल पाई है, जबकि उसकी शीला दीक्षित सरकार ने डेढ़ दशक तक यहां शासन किया है और दिल्ली के बहुमुखी विकास में उल्लेखनीय भूमिका अदा की है।

दरअसल, यह सब कुछ अनायास नहीं हुआ बल्कि भाजपा की एक सोची-समझी गुप्त रणनीति के तहत किया गया, जिसे अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन बनाने के चक्कर में आप और कांग्रेस नहीं समझ पाई। साथ ही, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों ने भी आप और कांग्रेस के बीच लोकसभा चुनाव 2024 के आए परिणामों के बाद से दिल्ली-पंजाब में चौड़ी हो रही सियासी खाई को पाटने में दिलचस्पी नहीं दिखाई, बल्कि आप की खुली तरफदारी करके कांग्रेस को नीचा दिखाने का काम किया। इससे भी बात बनते बनते बिगड़ गई।

बता दें कि दिल्ली के पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश की प्रमुख विपक्षी समाजवादी पार्टी यानी सपा के मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृण मूल कांग्रेस यानी टीएमसी की सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टी शिवसेना यूबीटी के आलाकमान उद्धव भाऊ ठाकरे, एनसीपी शरद पवार के प्रमुख शरद पवार आदि ने अपने-अपने सूबे में जारी कांग्रेस के सियासी दांवपेचों से खार खाते हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप की खुली तरफदारी की, जिससे कांग्रेस का मुस्लिम-दलित वोट बैंक आप के साथ जुड़ा रहा। इससे दिल्ली में कांग्रेस को तीसरी बार भी जीरो पर समेटने में %आप% सफल रही।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस के नेतृत्व में बने इंडिया गठबंधन में आप भले ही दिल्ली में शामिल रही, लेकिन पंजाब में उसने दोस्ताना मुकाबला किया। फलाफल यह निकला कि दिल्ली की कुल 7 लोकसभा सीटों में से आप के हिस्से वाली 3 सीटों पर और कांग्रेस के हिस्से वाली 4 सीटों पर भाजपा ने दोनों पार्टियों को जबरदस्त शिकस्त दी। वहीं, पंजाब में हुए दोस्ताना टक्कर के दौरान वहां सत्तारूढ़ %आप% पर कांग्रेस भारी पड़ी, क्योंकि पंजाब के 14 लोकसभा सीटों में से आप को जहां मात्र 3 सीटों पर जीत मिली, वहीं कांग्रेस ने 7 सीटों पर अपना कब्जा जमा लिया। जो आप नेताओं को नागवार गुजरा। जबकि कांग्रेस ने अपनी सूबाई नेतृत्व की पीठ थपथपाई, जिसने अड़ियल रूख दिखलाकर आप-कांग्रेस में आत्मघाती राजनीतिक समझौता नहीं होने दिया और आप पर दुगुनी से ज्यादा बढ़त हासिल करके दिखला दिया।

समझा जाता है कि यहीं से कांग्रेस और आप में पुन: राजनीतिक दूरी बननी शुरू हो गई, क्योंकि पंजाब में कांग्रेस की रीति-नीति ही वहां पर सत्तारूढ़ आप की भगवंत मान सिंह सरकार के लिए गम्भीर खतरा बन सकती है। चूंकि कांग्रेस ही पंजाब में मुख्य विपक्षी पार्टी है, इसलिए उसके साथ आप की राजनीतिक मित्रता का पंजाब के लोगों के बीच गलत संदेश जा सकता है। वहीं, दिलचस्प बात यह है कि चाहे दिल्ली हो या पंजाब, आप ने कांग्रेस को सियासी शिकस्त देकर ही सत्ता पाई है। इसलिए दोनों में महज भाजपा विरोधी धर्मनिरपेक्षता के सवाल पर दोस्ती की गुंजाइश बनाना आप के लिए आत्मघाती रणनीति हो सकती है।

कुछ यही सोचकर आप ने दिल्ली में एकला चलने का निर्णय लिया और इंडिया गठबंधन के क्षेत्रीय दलों को कांग्रेस विरोध के नाम पर अपने पाले में कर लिया। हालांकि, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने इस मामले में कांग्रेस-आप समेत इंडिया गठबंधन के विभिन्न घटक दलों को समय रहते ही आगाह कर दिया था, लेकिन उनकी दूरदर्शितापूर्ण सलाह की सबने अनदेखी की। यही वजह है कि आप व कांग्रेस की उम्मीदों के विपरीत चुनाव परिणाम मिलने पर उन्होंने सटीक टिप्पणी की कि जी भरकर लड़ो, खत्म कर दो एक दूसरे को।

कहने का तातपर्य यह कि उमर अब्दुल्ला चाहते हैं कि इंडिया गठबंधन के घटक दलों को साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए, क्योंकि घटक दलों के आपस में लड़ने से भाजपा को फायदा मिल रहा है। चूंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तरह जम्मू-कश्मीर में भी उमर अब्दुल्ला ने भाजपा को रोका है, इसलिए उनकी बातों का

अपना महत्व है। इधर शिवसेना यूबीटी प्रवक्ता संजय राउत ने भी कहा है कि दिल्ली में कांग्रेस और आप मिलकर लड़ते तो परिणाम अलग होते। भाजपा की हार तय थी।

उधर, माकपा नेता टीपी रामकृष्णन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के प्रभावी समन्वय के लिए कदम नहीं उठाए। इनकी बातों में दम है क्योंकि जब दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस विरोधी क्षेत्रीय दल आप को समर्थन देने लगे तो कांग्रेस की ओर से बयान आया कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियों के मद्देनजर कांग्रेस स्वहित के अनुकूल निर्णय करेगी। उसकी यही बात इंडिया गठबंधन के घटक दलों को भी नागवार गुजरी।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि चूंकि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को अप्रत्याशित सफलता मिली थी, इसलिए उसको और मजबूत किए जाने का दारोमदार भी कांग्रेस पर ही है। लेकिन उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी, महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी और एनसीपी शरद पवार, पश्चिम बंगाल में टीएमसी आदि को ज्यादा लोकसभा सीटें मिलने से इनकी अंदरूनी प्रतिस्पर्धा कांग्रेस से ही शुरू हो गई, जो बात राहुल गांधी को नागवार गुजरी।

उनसे जुड़े सूत्रों का कहना है कि 1977, 1989 और 1996 में जिन दलों ने कांग्रेस की कब्र खोदी औए 2004 से 2014 तक कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए सरकार से मतलब परस्त आंखमिचौली करके उसे कमजोर किया, उनसे कांग्रेस के भले की उम्मीद करना व्यर्थ है। इसलिए %आत्मनिर्भर कांग्रेस% की रणनीति पर जोर देना उन्होंने पुन: शुरू किया है, जिससे कथित तीसरे मोर्चे के यूपीए, महागठबंधन, महाविकास अघाड़ी और इंडिया गठबंधन के साझीदारों में खलबली मची हुई है।

आपको याद दिला दें कि केंद्र में 1979-80 में विभाजित जनता पार्टी की चौधरी चरण सिंह सरकार, 1990 में विभाजित जनता दल की चंद्रशेखर सरकार और 1996-98 में भाजपा विरोधी संयुक्त मोर्चे क्रमश: देवगौड़ा और गुजराल सरकार के उत्थान-पतन में कांग्रेस की शातिर राजनीतिक चालों का अहम योगदान रहा है, ताकि कांग्रेस विरोधी मोर्चा समय रहते ही धराशायी हो जाए। उस दौर में क्षेत्रीय दल कभी आरएसएस, कभी जनसंघ और बाद में भाजपा से गठबंधन करके कांग्रेस को केंद्रीय व सूबाई सत्ता से सत्ताच्युत तो कर देते थे, लेकिन उसकी कुटिल चालों के सामने टिक नहीं पाते थे।

हालांकि, भाजपा नेतृत्व ने समय रहते ही इसे समझ लिया और कभी गठबंधन तो कभी एकला चलो की रणनीति अपनाकर खुद को कांग्रेस के मजबूत विकल्प के रूप में उभरी और उसके तमाम सियासी रिकॉर्डों को ध्वस्त करती चली गई। यही वजह है कि कांग्रेस फिर उन्हीं दलों के साथ गठबंधन करने लगी, जिनको वह 1977 या 1989 या 1996 के सियासी दौर में देखना पसंद नहीं करती थी।

इस नजरिए से 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए का गठन करके क्षेत्रीय दलों को साथ लेने का सोनिया गांधी का फैसला एक महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसला साबित हुआ। ऐसा करके उन्होंने न केवल एनडीए पर बढ़त बनाई, बल्कि 10 सालों तक केंद्र में शासन भी किया। हालांकि, अपने सहयोगी दलों की करतूतों का सियासी खामियाजा भी कांग्रेस को 2014 में भुगतना पड़ा। जिससे वह आज तक उबर नहीं पाई है।

इसी बीच यूपी-बिहार की सूबाई सत्ता में बने रहने के लिए महागठबंधन में उसकी भागीदारी, महाराष्ट्र की सूबाई सत्ता में बने रहने के लिए महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) में कांग्रेस की भागीदारी छोटे भाई के तौर पर अवश्य रही, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन का बड़ा भाई बनकर राजनीतिक सफलता पाने में एक बार फिर वह सफल हुई और 52 से 99 संसदीय सीटों तक पहुंच गई।

इसलिए इसको संभाले रखने की उसकी जिम्मेदारी ज्यादा है क्योंकि उसे ज्यादा राजनीतिक लाभ मिला है। लेकिन अरविंद केजरीवाल (आप), अखिलेश यादव (सपा), ममता बनर्जी (टीएमसी), उद्धव भाऊ ठाकरे (शिवसेना यूबीटी), शरद पवार (एनसीपी शरद पवार), तेजस्वी यादव (राजद) जैसे समान राजनीतिक महत्वाकांक्षा वाले राजनेताओं को झेलना राहुल गांधी जैसे कद्दावर और स्पष्टवादी राजनेता के वश की बात भी नहीं है।

वहीं, 2022 में यूपी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का फैसला, 2024 के यूपी विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस को कमतर ठहराने का अखिलेश यादव का निर्णय, 2025 में दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का आप नेता अरविंद केजरीवाल का फैसला, लोकसभा चुनाव 2024 में बिहार में कांग्रेस को कम सीटें देने का राजद नेता तेजस्वी यादव का फैसला कुछ ऐसा अटपटा निर्णय रहा, जो कांग्रेस से ज्यादा उन दलों पर भारी पड़ गया, जिन्होंने कांग्रेस की उपेक्षा की।

वहीं, हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में इंडियन नेशनल लोकदल द्वारा कांग्रेस के साथ नहीं जाने का फैसला भी दोनों दलों पर भारी पड़ा।

वहीं, झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान वहां की सत्तारूढ़ पार्टी जेएमएम द्वारा कांग्रेस के साथ समझदारी पूर्ण सीट बंटवारा, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 के दौरान वहां की मुख्य पार्टी नेशनल कांफ्रेंस द्वारा कांग्रेस को साथ लेकर चलने से उन्हें सूबाई सत्ता हथियाने में सफलता मिली और कॉंग्रेस का सियासी मस्तक भी भाजपा के सामने कुछ ऊंचा उठा।

इससे साफ है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को सियासी मात देने के लिए इंडिया गठबंधन (पूर्व की यूपीए) में शामिल क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस द्वारा सूझबूझ भरा रिश्ता विकसित किया जाना चाहिए। वहीं, बात-बात में कांग्रेस और भाजपा विरोधी राजनीति करने वाले क्षेत्रीय दलों को यह समझना होगा कि समाजवादी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले दलों के नेतृत्व वाले तीसरे मोर्चे और दलितवादी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाली बसपा के नेतृत्व वाले चौथे मोर्चे की राजनीतिक विश्वसनीयता भारतीय जनमानस में लगभग समाप्त हो चुकी है।

इसलिए उन्हें भाजपा नीत एनडीए या कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन के नेतृत्व वाले राजनीतिक मोर्चे में ही रहना होगा। अन्यथा उनका कोई राजनीतिक भविष्य नहीं बचेगा। तमिलनाडु में द्रमुक और अन्नाद्रमुक, आंध्रप्रदेश में टीडीपी और वाईएसआर कांग्रेस में से कोई एक ही एनडीए या इंडिया गठबंधन में रहेगा। वहीं, उड़ीसा की बीजेडी ने एनडीए या यूपीए के साथ नहीं जाने का फैसला करके खुद को राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक बना दिया।

राजनीति में काम की बात सिखाई है दिल्ली ने

अकु श्रीवास्तव

दिल्ली विधानसभा का यह चुनाव अपने आप में कई संदेश लेकर आया है और कुछ तो काफी सुखद हैं। कई चुनावों बाद ऐसा हुआ कि चुनाव मुद्दों पर लड़ा गया। न धर्म की बात ज्यादा हुई, न नफरत की, न 'बंटोगे तो कटोगे' की ज्यादा गूंज हुई और न ही जाति के हिसाब से नेता खेल खेल पाए। मोदी-शाह की अगुवाई में लम्बे समय बाद यह चुनाव ऐसा रहा जो भाजपा द्वारा अटल-अडवानी युग की तरह ठोस मुद्दों पर लड़ा गया। यह भाजपा की रणनीति और राजनीति में एक बड़ा बदलाव है और इसके नतीजे पार्टी के लिए सुखद हैं। ये नतीजे आम जनता के लिए और अधिक उत्साहवर्द्धक हैं क्योंकि बात मुद्दों की हुई है। लोकसभा चुनावों की बात न करें (जिनमें दिल्ली की जनता प्रदेश की हवा से इतर राष्ट्र की गति की दिशा का अनुसरण करती है) तो भाजपा को दिल्ली की जनता की नब्ज को समझने में पूरे 27 साल लग गए। इस चुनाव में भाजपा पानी के मुद्दे पर लड़ी, दिल्ली की जहरीली हवा के मुद्दे पर लड़ी, सड़कों की दयनीय हालत को मुद्दा बनाया। सबसे बड़ा मुद्दा तो भ्रष्टाचार का रहा। 80-90 के दशक में यह भाजपा नेताओं का सबसे कारगर हथियार था। इसने राजीव गांधी की प्रचंड बहुमत वाली सरकार को धूल चटाई। नरसिम्हा राव की सरकार का पतन किया और धीरे-धीरे भाजपा को सत्ता की मंजिल तक पहुंचाया और इसी मुद्दे ने एक दशक तक जमी रही मनमोहन सरकार की विदाई तय की और भाजपा को पहली बार बड़ा बहुमत दिलाया। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से ही दिल्ली की राजनीति में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का बेहद चमत्कारी और चमकीला उदय हुआ था। अंतत: भाजपा ने उसे भ्रष्टाचार के उसी मुद्दे की दलदल में डुबोकर सत्ता से उखाड़ फैंका। शराब का मामला बड़ा मुद्दा बना। आडंबर की राजनीति न करने का दावा खोखला हुआ तो जनता गुस्से में आ गई । लेकिन राजनीतिक आरोपों आगे जनता ने यह नहीं पसंद किया कि उसके पानी के साथ राजनीति की जाए। उसने साल में जाड़े के 3 महीने में प्रदूषण से तंग होने को ज्यादा बड़ा मुद्दा माना। गंदगी उसके लिए साल भर की परेशानी का मुद्दा रहा और नगर निगम को रोज जूझती जनता ने शासन के खिलाफ जोरदार धक्का दिया। वर्ष 2012-13 में अन्ना आंदोलन में अरविंद केजरीवाल में दिल्ली का हर आम आदमी अपना चेहरा देख रहा था लेकिन 10 साल में लोग उसे भी तमाम राजनेताओं की तरह देखने लगे थे। यह उनके लिए बड़ा झटका बन गया था। 'मुझे तो कभी नहीं हरा पाओगे' का बड़बोलापन आम आदमी बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था। भ्रष्टाचार के आरोपी के रूप में जेल की हवा खाकर जमानत पर आकर किसी की भी कमीज सफेद नहीं रह पाती चाहे आप कितनी भी बट्टी रिन की रगड़ डालो। इस बार भाजपा का चुनाव प्रचार अभियान दिल्ली में काफी संयत रहा। 'बंटोगे तो कटोगे' जैसे नफरत फैलाऊ बयानों से बचा गया। प्रवेश वर्मा, अनुराग ठाकुर और योगी आदित्यनाथ भी इस बार चुनाव प्रचार में सिर्फ दिल्ली की जनता के मुद्दों की ही बात करते दिखे। योगी ने यमुना में केजरीवाल को स्नान की चुनौती देकर दिल्ली की जनता के मन को काफी करीब से छुआ। प्रवेश वर्मा भी इस बार अनावश्यक बयानबाजी से बचते हुए, ज़मीन से जुड़कर अपने पिता के नाम पर बनाए एन.जी.ओ. के जरिए गरीब लोगों की मदद करते दिखे। इस तरह भाजपा नेताओं ने सीधे मुद्दे की बात की।

'परीक्षा पे चर्चा' परिवर्तनकारी कदम

धर्मेंद्र प्रधान

प्रकृति ने अपनी असीम बुद्धि से प्रत्येक मनुष्य को एक अलग पहचान दी है- हमारी उंगलियों के निशान से लेकर आंखों की पुतलियों तक, हमारे अनुभव से लेकर विचारों तक, हमारी प्रतिभाओं से लेकर उपलब्धियों तक। मानवीय विशिष्टता के बारे में यह गहन सत्य हमारे समाज की विशेषता रही है और हमारी शिक्षा प्रणाली को इस विशेषता को प्रतिबिंबित करना चाहिए। प्रत्येक बच्चे में कुछ जन्मजात प्रतिभा होती है। कुछ शैक्षिक प्रतिभा से चमकते हैं, अन्य रचनात्मकता के लिए तत्पर होते हैं, कई अन्य एथलेटिक और पेशेवर कौशल से युक्त होते हैं। इस विशिष्टता को दर्शाते हुए स्वामी विवेकानंद ने एक बार कहा था, 'शिक्षा मनुष्य में पहले से मौजूद पूर्णता की अभिव्यक्ति है।'

एक बच्चे की प्राकृतिक प्रतिभा को निखारना और उसे उसकी पसंद के शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में रचनात्मक रूप से शामिल करना हमारे शैक्षणिक संस्थानों के सामने कठिन चुनौतियां रही हैं। शिक्षकों और नीति निर्माताओं के रूप में हमारी भूमिका एक बच्चे की अनूठी प्रतिभा को विकसित करना है, जिससे वह चुने हुए लक्ष्य में श्रेष्ठता प्राप्त कर सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 ने प्रतिभा को परिभाषित करने और उसको विकसित करने के तरीके में एक विलक्षण बदलाव किया है। यह एक दार्शनिक ढांचा है, जो वास्तव में हमारे

प्रत्येक बच्चे में मौजूद विशिष्टता की सूक्ष्म रूपरेखा का वर्णन कर सकता है और जो हमारे देश की उन्नति में योगदान देता है।

हमारे प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में हम शिक्षा में संपूर्ण सुधार लागू कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चे की शैक्षिक यात्रा हमेशा रोमांचकारी और यादगार बनी रहे, बच?चे पढ़ाई व परीक्षा के दौरान किसी भी तरह के तनाव और दबाव से मुक्त रहें। यह दृष्टिकोण हमारे शैक्षिक सुधारों का केंद्र है, बुनियादी शिक्षा से लेकर शिक्षा और अनुसंधान के उच्चतम स्तरों तक। कुछ साल पहले हमारे युवा शिक्षार्थियों के लिए बाल वाटिका या खिलौना-आधारित शिक्षा ने व्यापक संदेह को आमंत्रित किया होगा। आज एनईपी की बदौलत ये अभिनव दृष्टिकोण प्रारंभिक शिक्षा में आमूल परिवर्तन ला रहे हैं, जिससे सीखना कष?टदायक होने के बजाय एक आनंददायक कार्य बन गया है। हमारी नयी शिक्षा प्रणाली यह मानती है कि प्रत्येक बच्चा अपनी प्राकृतिक प्रतिभा के अनुसार विकास करता है।

हमारी क्रेडिट ट्रांसफर नीति, जो एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट स्थापित करती है, एक और उन्नतिशील कदम आगे बढ़ाती है। यह माना जाता है कि जीवन का मार्ग हमेशा सीधा नहीं हो सकता, बल्कि इसमें उतार-चढ़ाव भी हो सकते हैं और सीखना विभिन्न परिस्थितियों में विभिन?न गति से हो सकता है। शिक्षार्थी औपचारिक शिक्षा को रोक सकते हैं, क्योंकि वे अपनी रुचि के अनुसार काम करते हैं, व्यवहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं तथा अपने परिवार का समर्थन करते हैं। जब वे औपचारिक शिक्षा में वापस लौटते हैं, तब उनके अपने अनुभव और उपलब्धियां काम आती हैं और इन्हें महत्व दिया जाता है, जो उनके क्रेडिट अकादमिक रिकॉर्ड में शामिल किया जाता है। यह अनुकूलता इस बात को जोर देती है कि सीखने के दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं, जो लोगों को उनके जीवन के किसी भी मोड़ पर सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र में वापस लाते हैं। सरकार ऐसी संस्कृति विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां परीक्षा में सफलता कभी भी संपूर्ण विकास पर हावी न हो, जिससे हमारे युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान न हो। इस महत्वपूर्ण चुनौती को पहचानते हुए हमारी सरकार ने परीक्षा से संबंधित तनाव दूर करने में मदद करने को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बना दिया है।

प्रधानमंत्री की अभूतपूर्व 'परीक्षा पे चर्चा' पहल छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के मूल्यांकन के तरीके को बदलने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।छात्रों और अभिभावकों के साथ प्रधानमंत्री की बातचीत ने परीक्षा की चिंता को राष्ट्रीय संवाद में बदल दिया है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से परीक्षाओं को लेकर होने वाली चिंता दूर करने का प्रयास किया है, जो संवेदनशील दिमाग पर अनावश्यक दबाव डालती है।

प्रधानमंत्री के अपने जीवन और अनुभवों से लिए गये व्यवहारिक सुझावों को परीक्षार्थियों ने खूब सराहा है, जिससे उनका परीक्षा में तनाव मुक्त प्रदर्शन आश?वस?त हुआ है। सच्चे नेतृत्व के एक उदाहरण में हम भारतीयों की भावी पीढ़ी को बढ़ावा देने के लिए एक दूरदर्शी नेता के समर्पण को देख रहे हैं, जो राष्ट्र निर्माण में योगदान देता है और राष्ट्र की प्रगति की ओर निरंतर अग्रसर होना सुनिश्चित करता है। माता-पिता और समाज तथा नागरिक पर यह परिवर्तन केंद्रित है। 'परीक्षा पे चर्चा' मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षण सहायक वातावरण के महत्व को उजागर करने में परिवर्तनकारी रही है। यह एक ऐसी मानसिकता है, जिसे केवल 10वीं और 12वीं के छात्रों की बोर्ड की कक्षाओं के अलावा सभी कक्षाओं और सभी उम्र के छात्रों में बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में, 'बच्चे को अपनी शिक्षा तक सीमित न रखें, क्योंकि वह किसी और समय में पैदा हुआ है।' शैक्षिक परिवर्तन के प्रति हमारा दृष्टिकोण इसी ज्ञान से निर्देशित है। जब समुदाय, शिक्षक और परिवार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं, जहां छात्र का विकास हो सके, तो सफलता अवश्य मिलती है।

दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार करती मोदी सरकार

शिवप्रकाश

11 फरवरी को भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मृत शरीर तत्कालीन मुगलसराय जंक्शन (अब पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन) पर पाया गया। वह 1967 का साल था । केरल के कालीकट अधिवेशन में देश भर से आए हुए भारतीय जनसंघ के कार्यकर्ताओं ने उन्हें अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना था । वामपंथी प्रभाव वाले राज्य केरल में जनसंघ के कार्यकर्ताओं ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष की भव्य शोभायात्रा निकालकर राजनीतिक क्षेत्र में चुनौती देने का कार्य किया था।

राजनीतिक धरातल पर उभरती भारतीय जनसंघ की यह चुनौती ही उनकी हत्या का कारण बनी जो अभी तक अनसुलझी गुत्थी है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म 25 सितंबर 1996 को श्री भगवती प्रसाद एवं श्रीमती रामप्यारी देवी के परिवार में उनके नानाजी पं. चुन्नीलाल शुक्ल के घर हुआ था । पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र थे। बचपन से ही कठिनाइयों में पले दीनदयाल जी संघर्षमय जीवन के प्रतीक थे । वह 1937 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। संघ की विचारधारा एवं कार्य पद्धति से प्रभावित होकर 1942 में वह संघ के प्रचारक बन गये। सादगी , कठोर परिश्रम , कुशाग्र बुद्धि , लेखक एवं राजनीतिक दूर दृष्टि जैसे अनेकों गुणों से विभूषित उनका जीवन था।

भारतीय विचारो के आधार पर राजनीतिक क्षेत्र में एक नए विकल्प के रूप में स्थापित भारतीय जनसंघ के लिए उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन लगाया था। स्वतंत्रता के पश्चात हमारे देश के विकास का मॉडल क्या हो इस विषय पर विचार करने वाले श्रेष्ठ महानुभव विदेशी विचारो के अनुपालन में ही देश की समस्याओं का समाधान खोज रहे थे । उक्त समय में दीनदयाल जी ने कहाँ कि हमारे लिए विदेशी भूमि पर फलित पूंजीवाद , साम्यवाद एवं समाजवाद तीनों ही विचार उचित नहीं है।

भारत का एक दीर्घकालिक राजनीतिक जीवन है । अंतत: हमें हमारे देश के विकास के लिए विदेशी नकल नहीं अपितु भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों के आधार पर पोषित राजनीतिक चिंतन का अनुसरण करना चाहिए। गहन अध्ययन के उपरांत इसी भारतीय चिंतन को उन्होंने एकात्म मानववाद के रूप में प्रस्तुत किया । आज अपने देश ही नहीं संपूर्ण बल्कि विश्व के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन एवं उनके द्वारा प्रस्तुत विचार एकात्म मानववाद , शोध का विषय बना है। भारत में स्थापित केंद्र की सरकार एवं अनेक राज्यों में गठित भाजपा की सरकारे उनके द्वारा प्रस्तुत विचार के आधार पर लोक कल्याणकारी नीतियों के माध्यम से समाज की सेवा में जुटी है।

व्यक्ति , परिवार, समाज , प्रकृति सभी परस्पर जुड़े हैं यह एकात्म दृष्टि उनके विचार के केंद्र में थी इसीलिए उनकी मान्यता थी कि हमारी आर्थिक नीतिया रोजगार प्रदान करने वाली एवं पर्यावरण का पोषण करने वाली होनी चाहिए । व्यक्ति शरीर , मन , बुद्धि एवं आत्मा से युक्त है , इसीलिए व्यक्ति का विकास केवल भौतिक विकास तक सीमित नहीं , मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास भी चाहिए।

सरकार की नीतियों का मूल्यांकन उनके द्वारा गरीब कल्याण कितना हुआ इस आधार पर करना चाहिए इसी को उन्होंने अंत्योदय के सिद्धांत के रूप में अपने चिंतन में रखा । राष्ट्र प्रथम के आधार पर सुरक्षित एवं समृद्ध राष्ट्र बनाना यह उनका संकल्प था । सार संक्षेप में यदि कहना हो तब गरीब कल्याण , रोजगार परक, विकेंद्रित, पर्यावरण का पोषण करने वाली अर्थव्यवस्था हमारी नीतियों का आधार हो । राष्ट्र को सुरक्षित रखते हुए हम अपनी संस्कृति का गौरव लेकर विश्व में अपने राष्ट्र को श्रेष्ठ बनाएं इसी लक्ष्य के लिए उन्होंने अपना जीवन भारत मां के चरणों में समर्पित किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय (ग़रीब कल्याण) को शासन की नीति का आधार माना । उन्होंने कहा रोटी , कपड़ा , मकान ,पढ़ाई एवं दवाई यह सुविधा सभी के लिए उपलब्ध होनी चाहिए । पंडित दीनदयाल जी के जीवन एवं विचारों को आदर्श मानकर 2014 में बनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार एवं राज्यों में बनी भाजपा सरकारों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए। 1967 कोलकाता अधिवेशन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि राष्ट्र केवल भौतिक संसाधनों से नहीं बनता , बल्कि उसमें बसने वाले हर नागरिक के आत्मनिर्भर बनने से बनता है । हमें आत्मनिर्भर भारत के लिए हर व्यक्ति को सशक्त बनाना होगा।

दीनदयाल जी के इसी विचार का अवलंबन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल सरकार की नीति नहीं, बल्कि 130 करोड़ भारतीयों का संकल्प है। यह आत्मनिर्भरता हमें वैश्विक स्थिरता और समृद्धि में योगदान देने योग्य बनाएगी। गरीब कल्याण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन की गारंटी , वन नेशन वन राशन के माध्यम से देश के सभी स्थानों पर मजदूरों को राशन की सुविधा , किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की सुविधा , प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि द्वारा 11 करोड़ किसानों को आर्थिक सहयोग, टेक्सटाइल उद्योग में अनेकों योजनाएं तथा कपड़ा क्षेत्र में लगे उद्योगों एवं मजदूरों के कल्याण का प्रयास , खादी खरीद का आह्वान कर खादी को प्रोत्साहन जिसके कारण खादी बिक्री में चार गुना वृध्दि अभिनंदनीय प्रयास है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीबों को लगभग 3.25 करोड़ पक्के घर उपलब्ध करा कर घर की महिलाओं को चाभी सौपने का सहरानीय कार्य किया । सस्ते मकान उपलब्ध कराने के लिए मध्यम एवं निम्न वर्ग के परिवार को 4 % के दर से सस्ते ब्याज की सुविधा से गरीब का अपने घर का सपना साकार हो रहा है । आयुष्मान योजना के माध्यम से 50 करोड लोगों को 5 लाख के मुफ्त उपचार के माध्यम से स्वस्थ जीवन प्रदान करने का कार्य सरकार कर रही है । जन औषधि केंद्रों से सस्ती दवाई उपलब्ध कराने का काम भी हो रहा है । इस योजना के अंतर्गत अब तक सामान्य व्यक्तियों की लगभग 30,000 करोड़ की बचत हुई है। जल जीवन मिशन में 15 करोड़ घरों में स्वच्छ जल पहुचाने का कार्य हुआ है । गरीब कल्याण के अनेक प्रयासों का परिणाम है कि गत 10 वर्षों में लगभग 25 करोड़ गरीब, ग़रीबी रेखा के ऊपर आ चुके हैं।

अगर आपके हाथ पैरों का भी बड़ गया है कालापन तो दूर करने के लिये फॉलो करें यह टिप्स

आमतौर पर अंडरआर्म ज्यादातर लोगों के लिए काला होता है। अत्यधिक पसीने के कारण यहां अंधेरा दिखाई देता है। यह कालापन आत्मविश्वास को कम करता है। इस वजह से महिलाओं के लिए स्लीवलेस और कट स्लीव के कपड़े पहनने का सपना अधूरा है। यदि अत्यधिक पसीने को रोकने के लिए किसी डिओडोरेंट का उपयोग किया जाता है, तो वे त्वचा को और अधिक काला करने का जोखिम उठाते हैं।कोई भी प्राकृतिक उपचार त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। जानिए पसीने के कारण त्वचा का कालापन कैसे दूर करें।

संकलो में काले मुद्दे को हल करने का तरीका यहां दिया गया है

द्दनहाने के तुरंत बाद कपड़े न पहनें। दो से तीन मिनट प्रतीक्षा करें। इस दौरान शरीर को सामान्य तापमान पर आना चाहिए। बैक्टीरिया के संक्रमण आदि के कारण नमी के कारण होने वाले संक्रमण से बचने के लिए शरीर को ठीक से सूखने दें।

द्दअतिरिक्त बालों से बचने के लिए नियमित रूप से शेविंग करते रहें। ऐसा करने से नमी और गंध नहीं आती है। इससे कालेपन से बचा जा सकता है।

प्रसंस्कृत भोजन, शराब और अन्य चीजों के सेवन से बचें जिससे अत्यधिक पसीना आता है, उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थों से बचें।

– शरीर में पसीना कम करने वाले पानी, कैल्शियम, बादाम आदि से भरपूर पानी का अधिक सेवन करना चाहिए।

– मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, यानी गर्मियों में कॉटन, थोड़े ढीले कपड़े जिससे ज्यादा तनाव न हो। संकल्प को ज्यादा पसीना नहीं आता।

रेस्टोरेंट या बाहर का खाना खाने से अब नहीं बढ़ेगा वजन

वीकेंड हो या कोई त्योहार हम में से ज्यादातर लोग अपने परिवार के साथ अक्सर डिनर और लंच के लिए किसी रेस्टोरेंट में जाना पसंद करते हैं. वहीं घर से बाहर रहने वाले स्टूडेंट या नौकरी करने वाले लोग भी ज्यादातर समय खाना ऑनलाइन ही ऑर्डर करते हैं. ऐसे में हम जब भी खाना रेस्टोरेंट से ऑर्डर करते हैं तो कई लोग सलाह देते है कि बाहर का खाना खाने से वजन बढ़ जाएगा और मोटापा कि समस्या घेर लेगी. क्योंकि, बाहर खाए जाने वाले भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में ज्यादा कैलोरी और फैट होती है और बाहर खाना अनजाने में वजन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है.

हालांकि, कुछ रणनीतियां हैं जिनका उपयोग करके आप भोजन योजना का पालन करते हुए भी बाहर खाने का आनंद ले सकते हैं...

न्यूट्रिशनिस्ट अरबी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि कैसे रेस्टोरेंट के कुछ खास फूड आइटम्स आपका वेट कम करने में आपकी मदद कर सकता है.

होटल या रेस्टोरेंट में खाना खाते या ऑर्डर करते समय इन 10 हेल्दी और वेट कम करने वाले फूड आइटम्स का जरूर रखें ध्यान

सुशी– कम कैलोरी, हाई फाइबर का सबसे अच्छा ऑप्शन है. ब्राउन चावल और सब्जी से भरे इस रोल का ऑप्शन जरूर चुनें.

पनीर टिक्का– हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के लिए पनीर टिक्का का ऑप्शन बेहतर है. इसे सब्जियों और साबुत अनाज के साथ खाएं.

वेजिटेबल कबाब

लो कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर ग्रिल्ड या रोस्टेड कबाब का विकल्प चुनें.

भूनी हुई सब्जियां और पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी के साथ भूनी हुई सब्जियां और पनीर का ऑप्शन जरूर चुनें, इसके साथ साबुत अनाज चुनें और ज्यादा सब्जियां खाएं.

सब्जी दाल सूप

कम कैलोरी, हाई फाइबर से भरपूर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ऑप्शन के लिए चुनें.

खिचड़ी

कम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत अनाज, दाल और सब्जियों से बना खिचड़ी

स्टीम्ड वेजिटेबल डम्प्लिंग

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए साबुत गेहूं या सब्जी आधारित रैपर चुनें.

होल व्हीट मशरूम रैप

मीडियम कैलोरी, हाई फाइबर विकल्प के लिए अधिक मात्रा में सब्जियां खाएं और कम कैलोरी वाले सॉस का चुनाव करें.

क्विनोआ बाउल विद ग्रिल्ड पनीर

हाई प्रोटीन, मीडियम कैलोरी विकल्प के लिए इसे चुनें. बता दें, क्विनोआ फाइबर प्रदान करता है, जबकि पनीर प्रोटीन प्रदान करता है.

बेसन चीला

मीडियम कैलोरी, हाई प्रोटीन ऑप्शन के लिए बेसन, सब्जियों और मसालों से बनाया गया चीला चुनें.

ऑर्डर करते समय, याद रखें...

रिफाइंड अनाज, की जगह साबुत अनाज चुनें.

अधिक मात्रा में सब्जियां और फलियां खाएं.

ग्रिल्ड, रोस्टेड या स्टीम्ड विकल्प चुनें.

ज्यादा कैलोरी और चीनी वाले सॉस और ड्रेसिंग का सेवन सीमित करें.

खूब पानी पियें और मीठे पेय पदार्थों का सेवन सीमित करें. इन विकल्पों को चुनकर, आप अपने वजन घटाने के लक्ष्य और समग्र कल्याण में सहायता करेंगे.

स्किन के लिए गुणकारी है पत्थरचट्टा, जानें कैसे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं

स्किन के लिए जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए अक्सर हम कई तरह के घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप भी अपनी स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं, तो पत्थरचट्टा की पत्तियों का भी प्रयोग कर सकते हैं, आइए आपको बताते हैं कैसे इस्तेमाल करें।

खराब जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से है कई सारी समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। स्किन से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने के लिए महिलाएं महंगे–महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का प्रयोग कर सकते हैं। आमतौर पर कई महिलाएं पार्लर जाकर मेकअप या स्किन ट्रीटमेंट स्किन को स्वस्थ रखने के लिए किया जा सकता है, इसमें पत्थरचट्टा भी शामिल है। स्किन से जुड़ी समस्याओं से बचाव या राहत का लिए आप अपने स्किन केयर रुटीन में पत्थरचट्टा भी यूज कर सकते हैं। पत्थरचट्टा की पत्तियां एक्ने से राहत दिलाने में मदद करती है। स्किन की एलर्जी कम होती है।

पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल कर सकते हैं

पत्थरचट्टा की पत्तियां में फ्लेवोनोइड्स, एल्कलॉइड्स और ग्लाइकोसाइड्स समेत कई बायोएक्टिव कंपाउंड्स पाए जाते हैं। यह आपकी स्किन पर एंटी–इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव पैदा करते हैं, जिससे खुजली जैसी समस्या से राहत मिल सकती है। आइए आपको बताते हैं कैसे इसका प्रयोग करें।

– पत्थरचट्टा की पत्तियों को कुचलकर थोड़ा सा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को अपनी स्किन के प्रभावित त्वचा पर 15 मिनट के लिए लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से अपना मुंह धो लें। – पत्थरचट्टा की पत्तियों का इस्तेमाल करके आप फेस मास्क के रुप में भी यूज कर सकते हैं। इन पत्तियों का फेस मास्क बनाने के लिए पहले आप इन्हें अच्छे तरीके से ग्राइंड कर

अगर आप एक महीने तक चाय पीना पूरी तरह बंद कर दें तो क्या होगा?

चाय आज के समय में लगभग हर किसी के जीवन का हिस्सा है. रोज सुबह बिस्तर से उठते ही चाय की चुस्की के साथ अपना नींद खोलना बहुत से लोगों को बेहद अच्छा लगता है. वहीं, नाश्ते के समय भी ज्यादातर लोग चाय पीते हैं. ऐसे में देखा जाए तो बहुत से लोग दिन में कई बार चाय का सेवन करते हैं. अधिकतर लोगों को चाय की ऐसी लत होती है कि वे दिनभर में 3 से 4 बार इसका सेवन करते है. हालांकि, अधिक मात्रा में चाय के सेवन सेहत के लिए नुकसानदेह होता है .

एक महीने तक चाय न पीने के फायदे

चाय हमारे देश में लगभग 90 प्रतिशत लोगों का पसंदीदा हॉट ड्रिंक है. कुछ लोगों को सुबह उठते ही चाय पीने की इच्छा होती है, तो वहीं कुछ लोग दिन में अनगिनत बार चाय पीते हैं. क्योंकि चाय में निकोटिन जैसा ही तत्व तंबाकू में भी होता है. लोगों की इसकी लत लग जाती है. चाय एक प्रकार की ऊर्जा और ताजगी का भी सोर्स है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि हम जो चाय रोजाना पीते हैं उसमें मौजूद चीनी की मात्रा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर सकती है?

चाय प्रेमियों के लिए एक महीने तक चाय न पीना वाकई एक बड़ी चुनौती जैसा होगा, लेकिन चाय पीने की इच्छा पर अंकुश लगाने से उनके स्वास्थ्य को अनगिनत फायदे मिल सकते हैं. आमतौर पर हम जो चाय पीते हैं उसमें चीनी की मात्रा अधिक होती है. इससे कैलोरी बढ़ती है. इसके अलावा स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, चाय में ज्यादा चीनी की मात्रा पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है.

एक महीने तक शुगर–फ्री रहने के फायदे

इसलिए अगर आप एक महीने के लिए मीठी चाय पीना बंद कर देते हैं, तो आपका पाचन बेहतर हो जाएगा. इससे वजन भी कम होता है. इतना ही नहीं इससे आपको कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी नहीं होंगी. यदि आप एक महीने तक चीनी वाली चाय नहीं पीते हैं तो, आपके ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहेगा, चीनी के लिए कम लालसा होगी, आप एनर्जेटिक महसूस करेंगे, दांत की सेहत बेहतर हो जाएगी, और संभावित रूप से स्किन साफ हो जाएगा, क्योंकि ज्यादा चीनी का सेवन मुंहासे में योगदान कर सकता है. हालांकि, चीनी को पूरी तरह से छोड़ने के पहले कुछ दिनों के दौरान आपको लालसा और थकान जैसे वापसी के लक्षणों का अनुभव हो सकता है.

कई अध्ययनों से पता चला है कि एक महीने तक मीठी चाय से परहेज करने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है. मीठी चाय पीने से त्वचा पर दाने और छाले हो सकते हैं. इसलिए बेहतर है कि अपनी त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए मीठी चाय न पियें. चाय पीने की आदत से बचने से सीने में जलन, चक्कर आना और हृदय गति में उतार–चढ़ाव जैसी समस्याओं से राहत मिल सकती है. अगर आपके हाथ कांप रहे हैं तो चाय पीने से समस्या और बढ़ सकती है. इसके अलावा, यदि आप चाय पीना बंद कर दें तो हाई ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाएगा.

चेहरा टैनिंग के कारण दिखता है मुरझाया हुआ तो लगा लें ये 5 डी टैन पेस पैक्स, खिल उठेगी त्वचा

धूप चाहे गर्मियों की हो या सर्दियों की, बहुत ज्यादा देर तक त्वचा के संपर्क में आती है तो टैनिंग की वजह बन जाती है. टैनिंग के कारण ऐसा लगता है जैसे चेहरे पर दाग–धब्बे पड़ गए हैं या मैल जम गया है. इस टैनिंग को कम करने के लिए घर पर ही कुछ फेस पैक्स बनाकर लगाए जा सकते हैं. ये फेस पैक्स स्किन पर निखार लाने का काम करते हैं. इनसे टैनिंग हल्की होने लगती है और त्वचा को उसकी खोई हुई चमक वापस मिल जाती है. यहां जानिए कौनसे हैं ये फेस पैक्स और किस तरह इन्हें घर पर ही आसानी से बनाकर चेहरे पर लगाया जा सकता है.

टमाटर का फेस पैक

त्वचा की टैनिंग कम करने में टमाटर कमाल का असर दिखाता है. टमाटर से फेस पैक बनाने के लिए टमाटर के पल्प को निकालें और इसमें थोड़ा सा खीरे का रस मिला लें. आप चाहे तो टमाटर को सादा भी चेहरे पर लगा सकते हैं. टमाटर के पल्प को 15 से 20 मिनट त्वचा पर लगाकर रखने के बाद धोकर हटाएं. त्वचा पर जमी डेड स्किन सेल्स भी निकलने लगती हैं. टमाटर सन डैमेज को कम करने में मददगार होता है.

दूध और हल्दी

टैनिंग हल्की करने के लिए इस सदियों से चले आ रहे नुस्खे को आजमाकर देखा जा सकता है. एक कटोरी में दही लें और उसमें थोड़ी सी हल्दी मिला लें. दही और हल्दी के इस मिश्रण को चेहरे पर रूई की मदद से लगा लें. इसे चेहरे पर लगाकर तकरीबन आधे घंटे रखें और फिर धोकर हटाएं. हफ्ते में 2 बार इस मिश्रण को लगाकर देखा जा सकता है.

बेसन और दही

चेहरे पर बेसन और दही को लगाने पर त्वचा एक्सफोलिएट होती है और चेहरे पर जमी डेड स्किन सेल्ट हटने लगती हैं. बेसन और दही त्वचा से मैल छुड़ाकर त्वचा को दमकदार बनाता है. कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें और इसमें जरूरत के अनुसार दही मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें. इस फेस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 से 20 मिनट रखें और फिर हल्के हाथों से मलते हुए छुड़ा लें.

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा

सनटैन दूर करने में मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा का भी अच्चा असर दिखता है. एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 2 चम्मच एलोवेरा जैल मिलाएं. इस फेस पैक को चेहरे पर 15 मिनट लगाकर रखा जा सकता है. इसे छुड़ाने के बाद चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें.

मलाई और केसर

मलाई को चेहरे पर सादा या फिर केसर के साथ मिलाकर लगाया जा सकता है. इससे त्वचा का रूखापन दूर होता है, मैल हटता है और टैनिंग कम होने में असर दिखता है. एक कटोरी में चम्मच भरकर मलाई और 1–2 केसर के छल्ले डालकर मिलाएं. इसे उंगलियों पर लेकर चेहरे पर पर मलें. आपको दिखेगा कि चेहरे पर जमा मैल छूटकर निकलना शुरू हो गया है. मलाई को चेहरे पर मलने के बाद पानी से धोकर छुड़ा लें.

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

2 साल के होमवर्क से ढहाया केजरीवाल का किला

नईदिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी ने आखिर वह करिश्मा कर दिखाया, जिसकी कोशिश में वह पिछले 27 सालों से लगी थी। दो दशक से भगवा रथ आकर दिल्ली में थम जाता था। 27 साल से दिल्ली में वनवास पर थी। दिल्ली चुनाव में भाजपा ने बंपर जीत हासिल की है। पार्टी ने 48 सीट जीतकर आम आदमी पार्टी के लगातार चौथी बार सरकार बनाने के सपनों पर भी पानी फेर दिया। भाजपा की जीत में जहां एक ओर पीएम मोदी को श्रेय दिया जाता है, वहीं पार्टी की चुनावी रणनीति भी इसमें कारगर रही। आदमी पार्टी के किले में सेंध लगाने के लिए बीजेपी ने इस बार चुनाव का इंतजार नहीं किया बल्कि उसने लगभग 2 साल पहले ही चुनाव के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी थी पार्टी ने अलग-अलग स्तरों पर कई टीम में भी बने जिन्होंने पार्टी के रणनीति पर अमल शुरू किया। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत, जिन्हें जय पांडा के नाम से भी जाना जाता है। उनके लंबे राजनीतिक अनुभव का पार्टी को फायदा मिला।

चुनावी हार के बाद इंडिया ब्लॉक को सिब्बल की सलाह

नईदिल्ली। विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के भीतर प्रमुख दलों को हाल ही में मिली असफलताओं ने आत्मनिरीक्षण और रणनीतिक पुनर्गठन की मांग को जन्म दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भविष्य की चुनावी चुनौतियों से निपटने के लिए गठबंधन दलों के बीच सावधानीपूर्वक सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। सिब्बल ने 2020 के बिहार चुनावों में कांग्रेस पार्टी के संघर्षों का हवाला दिया, जहां उनके प्रदर्शन ने बहुमत के लिए महागठबंधन की रेस में बाधा उत्पन्न की। सिब्बल ने अतीत की प्रतियोगिताओं में कांग्रेस की प्रभावशीलता पर राजद की आलोचनाओं का हवाला देते हुए कहा कि आंतरिक कलह कभी-कभी सामूहिक प्रयासों को प्रभावित करती है। दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की जीत पर विचार करते हुए, सिब्बल ने चुनावों के दौरान अपनी एकजुट कमान संरचना के माध्यम से भाजपा को मिलने वाले लाभ को स्वीकार किया।

अब नई मुश्किल में फंस सकते हैं केजरीवाल

नईदिल्ली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अगले कुछ दिनों में अरविंद केजरीवाल, मुकेश अहलावत और संजय सिंह सहित आम आदमी पार्टी के नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है। एसीबी के सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आप विधायकों को तोड़ने का प्रयास करने के आरोपों पर भेजे गए नोटिस का अब तक तीनों नेताओं ने कोई जवाब नहीं दिया है। सूत्रों के मुताबिक, अगर आम आदमी पार्टी की ओर से कोई जवाब नहीं मिला तो एसीबी अगले कुछ दिनों में अरविंद केजरीवाल, मुकेश अहलावत और संजय सिंह समेत आप नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए दिल्ली पुलिस को पत्र लिखेगी। 7 फरवरी को, दिल्ली के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आम आदमी पार्टी के नेता मुकेश अहलावत को इस आरोप पर नोटिस जारी किया कि भाजपा नेतृत्व हासिल करने की कोशिश कर रही है।

क्या मणिपुर में लगेगा राष्ट्रपति शासन?

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के बाद भाजपा के अगले कदम को लेकर अटकलों का दौर जारी है। शीर्ष सरकारी सूत्रों ने कहा कि राज्य राष्ट्रपति शासन की ओर बढ़ सकता है। हालांकि, यह भी बताया जा रहा है कि कुकी विधायकों सहित हितधारकों के साथ सरकार गठन के विकल्प तलाशने के बाद ही इस पर फैसला हो सकता है। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 12वीं मणिपुर विधानसभा के सातवें सत्र को आहूत करने के पिछले निर्देश को तत्काल प्रभाव से अमान्य घोषित कर दिया है। संवैधानिक आदेश के अनुसार, अगला मणिपुर विधानसभा सत्र 12 फरवरी से पहले आयोजित किया जाना चाहिए और उससे 15 दिन पहले अध्यक्ष को घोषणा करनी होगी। राज्य कैबिनेट की सिफारिश के बाद ही स्पीकर सत्र बुला सकते हैं। अगर सत्र नहीं हुआ तो राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को सदन को निलंबित रखते हुए राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करनी होगी।

'आजाद' होने जा रही है गुलाम नबी की बनाई पार्टी

श्रीनगर। गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) से वर्तमान में या पहले जुड़े कई नेता कांग्रेस में शामिल होने के लिए तैयार हैं, और बदलाव के लिए बातचीत अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि जिन प्रमुख नेताओं के पाला बदलने की संभावना है उनमें पूर्व विधानसभा सदस्य गुलज़ार वानी और अमीन भट और पूर्व मंत्री ताज मोहि-उद-दीन और गुलाम मोहम्मद सरूरी शामिल हैं। ये चारों नेता पिछले साल विधानसभा चुनाव हार गए थे. जहां वानी और भट ने डीपीएपी टिकट पर चुनाव लड़ा, वहीं ताज मोहि-उद-दीन और सरूरी ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि जिन नेताओं ने आजाद को छोड़ा है, वे उनके संपर्क में हैं। हमने इस मुद्दे पर आलाकमान के साथ चर्चा की है और बातचीत चल रही है। हम प्रत्येक मामले पर विचार करने के बाद निर्णय लेंगे। दोनों पक्षों के व्यस्त कार्यक्रम के कारण निर्णय में देरी हुई है।

भारत में सुधार लगातार जारी, इंडिया एनर्जी वीक में बोले प्रधानमंत्री मोदी

विकसित भारत के लिए अगले दो दशक बहुत महत्वपूर्ण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत में लगातार सुधार हो रहा है। हमारे लिए अगले दो साल काफी अहम हैं। इससे पहले उन्होंने कहा कि इंडिया एनर्जी वीक में देश और दुनियाभर से यहां यशोभूमि में जुटे सभी साथियों को नमस्कार। आप सभी सिर्फ इस कार्यक्रम का हिस्सा भर नहीं हैं, आप भारत की ऊर्जा महत्वाकांक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं। दुनिया का हर एक्सपर्ट आज कह रहा है कि 21वीं सदी, भारत की सदी है। भारत अपनी ही नहीं, दुनिया की ग्रोथ को भी ड्राइव कर रहा है और इसमें हमारे ऊर्जा सेक्टर की बहुत बड़ी भूमिका है।

पीएम मोदी ने कहा, भारत की ऊर्जा महत्वाकांक्षा पांच स्तंभों पर खड़ी है। हमारे पास संसाधन हैं, जिसका हम जरूरी इस्तेमाल कर रहे हैं। हम अपने प्रतिभाशाली दिमाग को इनोवेट करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमारे पास आर्थिक मजबूती है, राजनीतिक स्थिरता है। भारत के पास सामरिक भूगोल है, जो ऊर्जा व्यापार को ज्यादा आकर्षक और आसान बनाती है।

उन्होंने कहा कि भारत, ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे भारत के ऊर्जा सेक्टर में नई संभावानाएं तैयार हो रही हैं। आज भारत की जैव ईंधन उद्योग तेजी से ग्रो करने को तैयार है। हमारे पास 500 मिलियन मैट्रिक टन का टिकाऊ फीडस्टॉक है। भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन बना, जो लगातार बड़ा हो रहा है। 28 राष्ट्र और 12 अंतरराष्ट्रीय संगठन जुड़ चुके हैं। ये कचरे को धन में ट्रांसफॉर्म कर रहा है और उत्कृष्टता का केंद्र साबित हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए अगले दो दशक बहुत महत्वपूर्ण हैं और अगले 5 वर्षों में हम कई बड़े मील के पत्थर पार करने जा रहे हैं, हमारे कई ऊर्जा लक्ष्य 2030 की समय सीमा के अनुरूप हैं। हमारे ये लक्ष्य बहुत महत्वाकांक्षी लग सकते हैं, लेकिन भारत ने पिछले 10 वर्षों में जो हासिल किया है, उससे यह विश्वास पैदा हुआ है कि हम इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। पिछले 10 वर्षों में भारत 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से बढ़कर 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश है।

हमने देश के सामान्य परिवारों और किसानों को ऊर्जादाता बनाया है। बीते साल हमने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की। इस योजना का स्कोप सिर्फ ऊर्जा उत्पादन तक ही सीमित नहीं है। इससे सोलर सेक्टर में नई स्किल्स बन रही हैं, नया सर्विस इकोसिस्टम बन रहा है और आपके लिए इंवेस्ट की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया का हर विशेषज्ञ कह रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी है। भारत न केवल अपना विकास कर रहा है, बल्कि विश्व का भी विकास कर रहा है और इसमें हमारे ऊर्जा क्षेत्र की बहुत बड़ी भूमिका है। भारत की ऊर्जा महत्वाकांक्षा पांच स्तंभों पर टिकी है। हमारे पास संसाधन हैं, हम प्रतिभाशाली दिमागों को नवाचार के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, हमारे पास आर्थिक ताकत है, राजनीतिक स्थिरता है, भारत के पास रणनीतिक भूगोल है, भारत वैश्विक स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। इससे भारत के ऊर्जा क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं।

उन्होंने कहा, विकसित भारत के लिए अगले दो दशक बहुत महत्वपूर्ण हैं और अगले 5 वर्षों में हम कई बड़े मील के पत्थर पार करने जा रहे हैं, हमारे कई ऊर्जा लक्ष्य 2030 की समय सीमा के अनुरूप हैं। हमारे ये लक्ष्य बहुत महत्वाकांक्षी लग सकते हैं लेकिन भारत ने पिछले 10 वर्षों में जो हासिल किया है, उससे यह विश्वास पैदा हुआ है कि हम इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। पिछले 10 वर्षों में भारत 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से बढ़कर 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश है।

आने वाले समय में प्राकृतिक गैस का उपयोग भी बढ़ने वाला है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में अनेक खोजों और बढ़ते पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बढ़ रही है और इसके कारण आने वाले समय में प्राकृतिक गैस का उपयोग भी बढ़ने वाला है। इन सभी क्षेत्रों में आपके लिए निवेश के अवसर बन रहे हैं। आज भारत में मेक इन इंडिया, लोकल सप्लाई चेन पर बहुत बड़ा फोकस है। भारत में पीवी मॉड्यूल समेत अनेक प्रकार के हार्डवेयर के निर्माण की बहुत संभावनाएं हैं... हम लोकल मैन्युफैक्चरिंग को सपोर्ट कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने की एआई समिट की सह-अध्यक्षता

पेरिस। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने और मुझे इसकी सह-अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित करने के लिए अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों का आभारी हूं। एआई पहले से ही हमारी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और यहां तक कि हमारे समाज को नया रूप दे रहा है। एआई इस सदी में मानवता के लिए कोड लिख रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, एआई अभूतपूर्व पैमाने और गति से विकसित हो रहा है और इसे और भी तेजी से अपनाया और तैनात किया जा रहा है। सीमाओं के पार भी गहरी निर्भरता है। इसलिए शासन और मानकों को स्थापित करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है जो हमारे साझा मूल्यों को अपलोड करते हैं, जोखिमों को संबोधित करते हैं और विश्वास का निर्माण करते हैं। शासन केवल प्रतिद्वंद्विता के प्रबंधन के बारे में नहीं है। यह नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक भलाई के लिए इसे तैनात करने के बारे में भी है। इसलिए हमें सोचना चाहिए कि हम क्या कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें ओपन सोर्स सिस्टम विकसित करना चाहिए, जो विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ाए। हमें पक्षपात रहित गुणवत्तापूर्ण डेटा सेंटर बनाने चाहिए, हमें प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करना चाहिए और लोगों को केंद्रित करने वाले अनुप्रयोग बनाने चाहिए। हमें साइबर सुरक्षा, गलत सूचना और डीपफेक से संबंधित चिंताओं को दूर करना चाहिए। हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रौद्योगिकी प्रभावी और उपयोगी होने के लिए स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में निहित हो।

दिल्ली में पंजाब के आप विधायकों की बैठक

देश में पंजाब को मिसाल बनाएंगे : भगवंत मान

नईदिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजधानी के कपूरथला हाउस में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्य के पार्टी विधायकों के साथ बैठक की। ताजा अपडेट के मुताबिक, मान दिल्ली के पूर्व सीएम से मिलने के लिए दिल्ली के कपूरथला हाउस पहुंचे थे। बैठक में केजरीवाल ने मान और विधायकों के साथ दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों पर चर्चा की। आप ने दावा किया है कि उनके पंजाब के सभी विधायक कपूरथला हाउस पहुंचे थे।

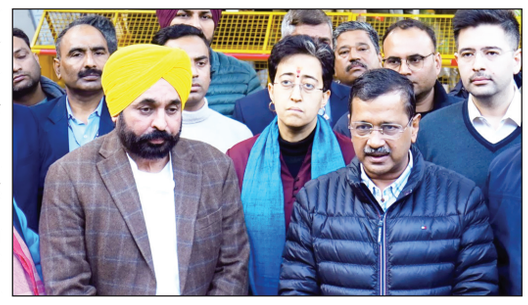

पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली का जनादेश सिर माथे है। हार-जीत तो चलती रहती है। देश में पंजाब को मिसाल बनाएंगे। पहले भी काम करते थे और अब भी काम करेंगे। पंजाब को हर स्तर पर पहचान दिलाएंगे। पंजाब को विकास का नया मॉडल बनाएंगे। हमारे कार्यकर्ता किसी लालच में नहीं आते। आगे कहा कि बाजवा पौने तीन साल से यही कह रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली चुनाव में विधायकों के काम के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। पंजाब सरकार लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है। आज भी दिल्ली की जनता कहती है कि पिछले 75 साल में उन्होंने ऐसा काम नहीं देखा जैसा आम आदमी पार्टी ने पिछले 10 साल में किया है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली के अनुभव का इस्तेमाल पंजाब में करेंगे। हम साथ मिलकर काम करेंगे। हमारी पार्टी अपने काम के लिए जानी जाती है। आज की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आने वाले दो वर्षों में हम पंजाब को एक ऐसा मॉडल बनाएंगे, जिसे पूरा देश देखेगा। पंजाब हर लड़ाई में हमेशा आगे रहा है।

कांग्रेस के दावे पर भगवंत मान ने कहा कि मैं प्रताप सिंह बाजवा से पूछूंगा कि दिल्ली में उनके कितने विधायक हैं। पंजाब की कानून-व्यवस्था ज्यादातर राज्यों से बेहतर है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण हमें अतिरिक्त प्रयास करने होंगे और हम ऐसा कर रहे हैं। पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवान ने कहा कि हम पंजाब को शासन और विकास का राष्ट्रीय मॉडल बनाएंगे। हमने इसके लिए विचार-विमर्श और योजना बनाई थी। दिल्ली में हमारी हार पर हम सभी की राय थी कि भाजपा ने सभी संस्थानों का दुरुपयोग किया। उन्होंने लोकतंत्र को लूटा है। दिल्ली के लोगों ने हमें विपक्ष के रूप में एक कर्तव्य सौंपा है। उन्होंने हमारी पूरी तरह उपेक्षा नहीं की है।

पंजाब के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि दिल्ली चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी की पंजाब इकाई दिल्ली आ गई। अरविंद केजरीवाल ने सभी को धन्यवाद दिया. आने वाले 2 साल में पंजाब में कैसे काम तेज किया जाए इस पर चर्चा हुई। हम और काम करेंगे और देशभर में आम आदमी पार्टी का विस्तार होगा। वहीं, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सवाल उठाते हुए कहा कि बैठक वहीं पंजाब में होनी चाहिए थी। वहां केवल एक ही व्यक्ति को जाने की जरूरत पड़ती। उन्हें (अरविंद केजरीवाल) वहां ले जाने के लिए पंजाब के हेलिकॉप्टर और चार्टर्ड प्लेन का इस्तेमाल किया गया होगा। पंजाब के लोग भी उन्हें देख सकेंगे।

खेल
प्रमुख समाचार

चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियां परखने के लिए बचा एक मैच

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कप्तान रोहित शर्मा के शतक ने भारतीय टीम प्रबंधन को बड़ी राहत प्रदान की है। बावजूद इसके भारतीय टीम के बल्लेबाजी संयोजन को लेकर उलझनें बरकरार हैं। यह स्थिति तब है जब, चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों को परखने के लिए भारतीय टीम के पास इंग्लैंड के खिलाफ 12 फरवरी को होने वाला सिर्फ एक मैच शेष है। केएल राहुल का नंबर छह पर उतरना और ऋषभ पंत का अब तक नहीं आजमाया जाना समीकरणों को उलझा रहा है।

राहुल को दोनों मैचों में अक्षर पटेल के बाद बल्लेबाजी करने के लिए भेजा गया है। वह नंबर छह के क्रम पर न्याय नहीं कर पाए हैं। यह वह स्थान है, जहां पंत अपने एक्स फैक्टर चलते उनसे कहीं उपयोगी साबित हो सकते थे। वहीं, विराट कोहली की वनडे में छह माह बाद वापसी अच्छी नहीं रही। वह दूसरे वनडे में सिर्फ पांच रन बना पाए। उन्हें टीम में यशस्वी जायसवाल की जगह शामिल किया गया था। दूसरी ओर गेंदबाजी में भी अर्शदीप सिंह को अब तक नहीं आजमाया गया है।

कटक में दूसरे वनडे मुकाबले में कमेंट्री के दौरान रवि शास्त्री भी राहुल जैसे शीर्ष क्रम के विशेषज्ञ बल्लेबाज को छठे नंबर पर उतारने पर अपनी भावनाओं को जाहिर करने से खुद को नहीं रोक पाए थे। शुरुआती दो मैच में अक्षर को पांचवें नंबर पर उतारा गया। अगर प्रबंधन राहुल से ऊपर अक्षर को भेजने के लिए बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजी संयोजन के फॉर्मूले पर अड़ा है तो पंत जैसे विस्फोटक खिलाड़ी का क्या होगा। हालांकि अक्षर ने शुरुआती दो मैच में 52 और नाबाद 41 रन बनाए लेकिन वह ऐसे समय पर बल्लेबाजी करने उतरे जब भारत जीत की ओर बढ़ रहा था। शास्त्री ने कमेंट्री के दौरान कहा था, भारत अगले मैच और चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के संयोजन के बारे में सोच रहा होगा और ऋषभ पंत बेंच पर बैठे हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 1018 अंक गिरा निफ्टी 23,072 पर बंद

नईदिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ट्रेड वॉर धमकियों से घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को बड़ी गिरावट आई। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी 1.32% तक टूटकर बंद हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर घोषणाओं के कारण बाजार में बेचैनी देखने को मिल रही है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज मामूली बढ़त लेकर 77,384 पर खुला। हालांकि, कमजोर सेंटीमेंट्स की वजह से कुछ ही देर में यह लाल निशान में फिसल गया। अंत में सेंसेक्स 1018.20 अंक या 1.32% गिरकर 76,293.60 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी मामूली बढ़त के साथ 23,383 पर खुला लेकिन कुछ ही देर में लाल निशान में फिसल गया। अंत में यह 309.80 अंक या 1.32% की बड़ी गिरावट लेकर 23,071 पर क्लोज हुआ।

टाटा म्युचुअल फंड की जबरदस्त स्कीम

नईदिल्ली। एसेट मैनेजमेंट कंपनी टाटा म्युचुअल फंड की ओपन एंडेड इक्विटी स्कीम टाटा मिडकैप ग्रोथ फंड ने लॉन्ग टर्म में निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। इस फंड को 1 जुलाई 1994 को लॉन्च किया गया था। इस तरह से स्कीम को बाजार में लॉन्च हुए 30 साल से ज्यादा का समय हो गया है। मार्केट में डेब्यू के बाद से फंड का सालाना औसत रिटर्न 20.9% रहा है। अगर किसी निवेशक ने इस स्कीम की शुरुआत में 1 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश किया है, तो आज उसके फंड की वैल्यू करीब 3 करोड़ रुपये हो चुकी है। जबकि केवल 500 रुपये की मंथली एसआईपी से 30 साल में 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड बन गया है। म्युचुअल फंड हाउस टाटा के मुताबिक, टाटा मिडकैप ग्रोथ फंड ने एसआईपी निवेशकों को औसतन 21.2% सालाना का रिटर्न दिया है।

अमेरिका ने स्टील- एल्युमीनियम पर टैरिफ लगाने की घोषणा की

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि 12 मार्च से स्टील और एल्युमीनियम के आयात पर 25% टैरिफ लगाया जाएगा। यह कदम अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही व्यापार नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों की रक्षा करना है। ट्रंप के इस फैसले से भारत समेत कई देशों के व्यापार पर असर पड़ सकता है। यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय अमेरिका दौरे की तैयारी कर रहे हैं। 12 और 13 फरवरी को होने वाले इस दौरे से पहले ट्रंप के इस कदम ने हलचल मचा दी है। ट्रंप प्रशासन ने ऐलान किया है कि स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर 25% तक का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया जाएगा। अमेरिकी सरकार का दावा है कि चीन समेत कई देश सस्ते दामों पर स्टील और एल्युमीनियम निर्यात कर अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

मस्क ने ओपनएआई को खरीदने का दिया प्रस्ताव

वॉशिंगटन। एलन मस्क के नेतृत्व वाले एक निवेशक समूह ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्टार्टअप ओपनएआई को 97 अरब डॉलर में खरीदने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने मस्क के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। साथ ही ऑल्टमैन ने ये भी कहा कि %अगर आप चाहते हैं तो हम ट्विटर को 9.7 अरब डॉलर में जरूर खरीद सकते हैं। गौरतलब है कि एलन मस्क ने साल 2022 में ही ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था और बाद में ट्विटर का नाम बदलकर एक्स कर दिया था। एलन मस्क के खुद के एआई स्टार्टअप एक्सएआई और निवेशक फर्मों के एक समूह ने मिलकर चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई को 97 अरब डॉलर में खरीदने की इच्छा जताई है।

मौद्रिक समीक्षा में विकास पर जोर

सतीश सिंह

भारतीय रिजर्व बैंक ने सात फरवरी को की गयी मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है, जिससे यह 6.50 प्रतिशत से घटकर 6.25 फीसदी के स्तर पर आ गयी। करीब पांच साल बाद रेपो दर में कटौती की गयी है। महंगाई के कारण केंद्रीय बैंक अभी तक रेपो दर में कटौती से परहेज कर रहा था। फिलवक्त विभिन्न कारणों से बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। साथ ही, विगत दो तिमाहियों में जीडीपी की धीमी गति को देखते हुए सरकार के लिए विकास को बढ़ावा देना जरूरी है। इसलिए, बजट में भी निवेश, बचत और खपत बढ़ाने पर जोर दिया गया है, क्योंकि इनमें तेजी लाकर ही आर्थिक गतिविधियों में तेजी लायी जा सकती है।

विगत दिसंबर में खुदरा महंगाई घटकर 5.22 प्रतिशत रह गयी, जो चार महीनों का निचला स्तर है। उससे पहले नवंबर में महंगाई दर 5.48 फीसदी के स्तर पर थी। महंगाई के बास्केट में करीब 50 प्रतिशत योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इनकी महंगाई महीने दर महीने आधार पर 9.04 फीसदी से घटकर 8.39 फीसदी के स्तर पर आ गयी, वहीं ग्रामीण महंगाई 5.95 फीसदी से घटकर 5.76 फीसदी और शहरी महंगाई 4.89 फीसदी से घटकर 4.58 फीसदी के स्तर पर आ गयी है। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक ने पिछले महीने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए महंगाई के अनुमान को 4.8 प्रतिशत कर दिया था, जबकि इसके पहले केंद्रीय बैंक ने इसे 4.5 प्रतिशत के स्तर पर रहने का अनुमान जताया था। बहरहाल, वित्त वर्ष 2025 और 2026 में महंगाई के रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित सहनशीलता सीमा के अंदर रहने के आसार हैं। गौरतलब है कि क्रयशक्ति निर्धारित करने

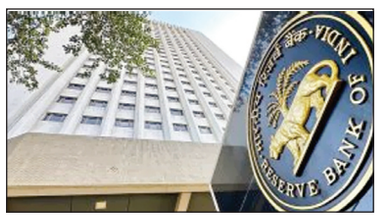

में मुद्रास्फीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढ़ने पर वस्तु एवं सेवा की कीमत बढ़ती है, जिससे व्यक्ति की खरीदारी क्षमता कम हो जाती है और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम हो जाती है। फिर, उनकी बिक्री कम होती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है, आदि-आदि। फलत: आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं एवं विकास की गति बाधित होती है। ऐसे में, यह कहना समीचीन होगा कि महंगाई कम करने से ही विकास की गाड़ी तेज गति से आगे बढ़ सकती है।

हमारी अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर से बहुत ऊपर है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओइसीडी) के अनुसार, 2024 में वैश्विक जीडीपी वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रही और 2025 में यह 3.3 फीसदी रह सकती है। वहीं आइएमएफ के मुताबिक, वैश्विक अर्थव्यवस्था 2024 में 3.1 फीसदी और 2025 में 3.2 फीसदी की दर से आगे बढ़ सकती है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर 4.6 फीसदी रही, जबकि जापान में यह वृद्धि दर 0.9 फीसदी रही। आइएमएफ के अनुसार, इंग्लैंड में विकास दर 2024 में 1.1 फीसदी और 2025 में 1.5 फीसदी, तो जर्मनी में 2024 में विकास दर के -0.1 फीसदी और 2025 में 0.7 फीसदी रहने का अनुमान है।

दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका से भी भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। वित्त वर्ष 2024 में अमेरिका में विकास दर के 2.7 फीसदी और 2025 में 2.0 फीसदी रहने का अनुमान है। देश में पिछले दो सालों में 14 से 16 प्रतिशत के बीच की ऋण वृद्धि रहने के बाद समग्र क्रेडिट ग्रोथ बीते कुछ महीनों से धीमी हो रही है और दिसंबर, 2024 में यह घटकर 11.2 प्रतिशत के स्तर पर आ गयी। इसका एक बड़ा कारण उधारी दर का महंगा होना है। बैंकों के पास सस्ती पूंजी नहीं है, इसलिए वे महंगी दर पर ऋण देने के लिए मजबूर हैं, जबकि आम जन और कारोबारी ऋण लेने से बच रहे हैं। इस कारण कंपनियों के पास पूंजी की कमी है, जिससे वे पूरी क्षमता के साथ उत्पादन नहीं कर पा रहीं। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 0.25 फीसदी की कटौती करने से बैंकों को सस्ती दर पर पूंजी मिलेगी और वे सस्ती दर पर ऋण दे सकेंगे।

मेयर प्रत्याशी मीनल चौबे ने चंगोराभाटा में किया मतदान

रायपुर। प्रदेश की राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश में नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत के मतदान सुबह 8 बजे से शुरू हो गया है। रायपुर नगर निगम के 70 वार्डों में भी मतदान जारी है. वहीं, रायपुर नगर निगम के महापौर पद के लिए भाजपा प्रत्याशी मीनल चौबे ने राजधानी के चंगोराभाटा स्थित स्कूल पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया.

महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने किया मतदान ~ भाजपा महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे ने ईटीवी भारत से बातचीत में कहा कि पिछले 15 सालों से रायपुर नगर निगम में कांग्रेस की सरकार ने केवल भ्रष्टाचार किया है. ऐसे में अब रायपुर नगर निगम में भाजपा के महापौर होने से शहर का समुचित विकास होगा और एक नया सूरज खिलेगा.

माहौल भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में है. पहले पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा. बस कमल खिलने को तैयार है. 15 वर्षों के बाद शहर की सरकार कमल की सरकार रहेगी।

मुझे सब वोट देने के लिए तैयार बैठे: पिछले 10 दिनों तक प्रचार को लेकर उन्होंने कहा कि लगातार 10 दिनों तक मैं जनता के पास पहुंचने का प्रयास किया है. जनता का प्रेम और आशीर्वाद मुझे मिला है. मातृ शक्ति प्रसन्न और अभिभूत है. वोटर भाजपा को वोट देने के लिए तैयार बैठे हैं. मैं लगातार 15 वर्षों तक नगर निगम में संघर्ष की हूं. इसके साथ ही भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई है. जनता के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है. इसलिए मुझे सब वोट देने के लिए तैयार बैठे हैं।

मीनल चौबे ने कहा कि नगर निगम रायपुर के मूल दायित्व के अलावा मेरी प्राथमिकता रहेगी कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए, महिलाओं को सम्मान दिलाने के लिए, महिलाओं को साक्षर बनाने के लिए काम करती रहूं :

भाजपा विधायक सुनील सोनी ने किया मतदान

रायपुर में सभी जनप्रतिनिधि अपने-अपने वार्ड के मतदान केंद्रों में जाकर सुबह से अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं. रायपुर दक्षिण के भाजपा विधायक सुनील सोनी ने परिवार सहित राजधानी के महाराणा प्रताप स्कूल में अपने मताधिकार का प्रयोग किया. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में पार्षद और महापौर सबसे बड़ी कड़ी होती है.

निकाय चुनाव के लिए वोटिंग संपन्न, सीएम ने जताया मतदाताओं का आभार

रायपुर । नगरीय निकाय चुनाव – 2025 के अंतर्गत आज छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मतदाताओं का आभार जताया है।सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल X पर लिखा कि – आज नगरीय निकाय चुनाव - 2025 के अंतर्गत प्रदेश के नगर पालिक निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मतदान में सामने आए रुझानों से पता चल रहा है कि जनता ने अटल विश्वास पत्र के संकल्प पर पूर्ण विश्वास करते हुए, नगरीय निकायों के समुचित विकास की संकल्पना में हमारा साथ दिया है। जिसकी बदौलत भारतीय जनता पार्टी प्रचंड विजय हासिल करेगी।

कांग्रेस को अपनी हार सामने दिख रही है इसलिए ईवीएम पर आरोप लगा रही है: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव का मतदान खत्म हो चुका है. ईवीएम में प्रत्याशियों की किस्मत कैद हो चुकी है. मतदान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी को नतीजों का इंतजार है. सुबह 8:00 से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई जो शाम 5:00 बजे तक चली. मतदान को लेकर लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला. रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने परिवार के साथ दुर्गा कॉलेज में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया.

बीजेपी सांसद ने किया दावा~ मीडिया से बात करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस को अपनी हार सामने दिख रही है इसलिए कांग्रेस श्रद्धरू पर आरोप लगा रही है. जनता ने जिस प्रकार से दिल्ली में मोदी को बिठाया है. छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय को बैठाया है ठीक उसी तरह प्रदेश के नगर निगम में कमल फूल के महापौर बनेंगे.

केंद्र में जनता ने मोदी जी को बैठाया है. छत्तीसगढ़ की जनता ने विष्णु देव साय को मौका दिया है. ठीक उसी तरह से अब रायपुर नगर निगम में कमल फूल के चुने हुए महापौर बैठेंगे।

ईवीएम को लेकर कांग्रेस पर निशाना

कांग्रेस ने जिस तरह से ईवीएम को लेकर सवाल खड़े किए उसपर बीजेपी सांसद ने खेद जाहिर किया. बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मशीन तो आखिर मशीन है. थोड़ी बहुत तो उसमें खराब आती रहती है. तकनीकी कमियों को समय रहते सुधार लिया गया. कांग्रेस को जब भी अपनी हार साफ साफ नजर आने लगती है वो ईवीएम को निशाना बनाने से नहीं चूकती.

मंत्री ओपी चौधरी ने किया मतदान

रायपुर/रायगढ़ । मंत्री ओपी चौधरी ने मेयर और पार्षद चुनने मतदान किया। सुबह 8 बजे से वोटिंग शुरू हो गई है। 10 नगर निगम, 49 नगर पालिका परिषद और 114 नगरीय निकायों के लिए श्रद्धरूके जरिए प्रतिनिधि चुने जा रहे हैं। काउंटिंग 15 फरवरी को होगी। बता दें कि इस चुनाव में महापौर के 79 और 1889 पार्षद प्रत्याशियों के साथ अध्यक्ष पद के लिए 606 उम्मीदवार मैदान में ताल ठोक रहे हैं।

रायपुर नगर निगम के लिए सबसे ज्यादा 16 मेयर प्रत्याशी और पार्षद पदों के लिए 306 प्रत्याशी मैदान में हैं। वहीं दुर्ग नगर निगम के लिए सबसे कम 2 मेयर प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इस चुनाव में कुल 44 लाख 87 हजार मतदाता अपने मतों का इस्तेमाल करेंगे। खास बात ये है कि इसमें महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से ज्यादा है।

नगरीय निकाय चुनाव 2025

वोटिंग खत्म होने के बाद मतदान दलों की वापसी शुरू, स्ट्रांग रूम में जमा हो रही ईवीएम मशीनें

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगर सरकार चुनने के लिए मतदान खत्म होने के बाद मतदान कर्मियों के लौटने का सिलसिला शुरू हो गया है। सभी मतदान केंद्रों से ईवीएम मशीनों को सुरक्षित स्ट्रांग रूम तक पहुँचाया जा रहा है। राजधानी में सेजबहार इंजीनियरिंग कॉलेज को स्ट्रांग रूम के रूप में तैयार किया गया है, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईवीएम जमा की जा रही हैं। अभी तक शंकर नगर, श्याम नगर, तेलीबांधा, कटोरा तालाब स्थित मतदान केंद्रों से मतदान दल पहुंच चुके हैं।

हालांकि, कुछ केंद्रों पर हल्की दिक्कतें आईं, लेकिन उन्हें तत्काल हल कर दिया गया।

लोगों में दिखा जबरदस्त उत्साह

रायपुर नगर निगम में मतदान समाप्ति के बाद मतदान का प्रतिशत करीब 49.55 है। हालांकि, मतदान कर्मियों ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही और लोगों में मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। कई स्थानों पर मतदाताओं की लंबी कतारें लगी रहीं, जिससे मतदान प्रतिशत संतोषजनक रहा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

उप निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि सभी सेक्टर अधिकारियों से लगातार संपर्क में हैं और मतदान दलों की वापसी सुनिश्चित की जा रही है। स्ट्रांग रूम के आसपास 100 मीटर की परिधि में सुरक्षा घेरा बनाया गया है और इसे नो एंट्री ज़ोन घोषित कर दिया गया है। दो परतों में सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जिसमें सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ सीसीटीवी से निगरानी भी रखी जा रही है।

गौरतलब है कि मतदान दलों के सुरक्षित लौटने के बाद स्ट्रांग रूम को नियमानुसार सील कर दिया जाएगा। 15 फ़रवरी को मतगणना के दिन सुबह निर्धारित प्रक्रिया के तहत सील खोली जाएगी और मतगणना कार्य शुरू होगा।

10 नगर निगम, 49 नगर पालिका और 114 नगर पंचायतों में हुआ मतदान

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में आज नगरीय निकाय चुनाव की वोटिंग हुई, जिसके परिणाम 15 फरवरी को घोषित होंगे। इस बार नगरीय निकाय चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से कराए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के 10 प्रमुख नगर निगमों में चुनाव हो रहे। इनमें अंबिकापुर, कोरबा, चिरमिरी, जगदलपुर, दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, राजनांदगांव, रायगढ़ और रायपुर नगर निगम शामिल हैं। इसके अलावा 49 नगर पालिकाओं और 114 नगर पंचायतों में भी चुनाव हो रहे हैं।

100 वर्ष की कलावती और 104 वर्ष की सकीना ने किया मतदान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आज नगरीय निकाय चुनाव के लिए वोटिंग जारी है। पोलिंग बूथों में सुबह से ही मतदाताओं में अलग उत्साह देखने को मिला है। लोकतंत्र के पर्व में हर मतदाता अपनी भूमिका निभाना चाहता है, चाहे वह शारीरिक रूप से मजबूत हो या न हो। ऐसा ही कुछ नजारा सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर में नजर आया, जहां दो शताब्दी पार कर चुकी महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर न सिर्फ लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। बल्कि, युवाओं को भी मतदान करने के लिए प्रेरित किया।

इन बुजुर्ग महिलाओं में कलावती देवी की उम्र 100 साल, जबकि सकीना बेगम की उम्र 104 साल है। दोनों ने आज अपने परिजनों के साथ बिश्रामपुर के आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 12 में मत देने पहुंचीं। मतदान के बाद उन्होंने सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में आज नगरीय निकाय चुनाव की वोटिंग हो रही है, जिसके परिणाम 15 फरवरी को घोषित होंगे।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

मतदान कांग्रेस के पक्ष में हुआ अधिकांश निकाय जीतेगी: बैज

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव का मतदान संपन्न होने के बाद कांग्रेस ने मतदाताओं अपने कार्यकर्ताओं और मतदान कर्मियों, चुनाव से जुड़े सभी लोगों का आभार जताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश भर से जो खबरें आ रही है उससे साफ हो गया कि प्रदेश के सभी निकायों में मतदान कांग्रेस के पक्ष में हुआ है और राज्य के अधिकांश नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में कांग्रेस के उम्मीदवार चुनाव जीत कर आ रहे है। मतदान केंद्र के बाहर कांग्रेस के पंडालों में लगी मतदाताओं की भीड़ इस बात का स्पष्ट संदेश है कि जनादेश कांग्रेस के पक्ष में आयेगा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश के अनेक स्थानों पर ईवीएम के बंद होने, बिगड़ने की शिकायतें आई, दुर्भाग्यजनक था लोगों को अपने मतदान का प्रयोग करने घंटों इंतजार करना पड़ा। कुछ स्थानों पर सत्तारूढ़ दल भाजपा के कार्यकर्ताओं ने सत्ता बल का प्रयोग कर मतदान में बाधा पहुंचाने का प्रयास किया। उसके बावजूद मतदाताओं ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धैर्य का परिचय दिया तथा लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मतदान संपन्न करवा कर दिखाया। भाजपा की साय सरकार के खिलाफ मतदाताओं का आक्रोश मतदान केंद्रों पर साफ दिख रहा था।

हाई अलर्ट था, फिर भी डकैती हो गयी : शुक्ला

रायपुर। राजधानी रायपुर के सभ्रांत इलाके अनुपम नगर में हुई लूट की घटना पर कांग्रेस ने आक्रोश जताया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राजधानी में फिर दिन दहाड़े डकैती हो गयी, यह क्या हो रहा है सरकार? पूरे प्रदेश में मतदान हो रहा था, कानून व्यवस्था इस दिन हाई अलर्ट पर रहती है। इस माहौल में भी यदि लुटेरे राजधानी के बीचों बीच दिन दहाड़े डकैती की घटना को अंजाम दे रहे है वह भी पुलिस की वर्दी में इसका मतलब साफ है कि अपराधियों के मन से पुलिस और कानून का खौफ बचा ही नहीं है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रायपुर शहर में एक साल में 200 से अधिक हत्याएं हुई है। राजधानी रायपुर से चला हत्याओं का, गोलीबारी का खौफनाक मंजर पूरे प्रदेश में फैल चुका है। आम आदमी अपने आपको भयभीत महसूस कर रहा है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर अपराध का गढ़ बन गया है। सरकार की लापरवाही और पुलिस की नाकामी का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ में कोई भी सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार बनी है राजधानी में सरेआम गोलीबारी की पांच घटना हुई है। सरकार की नाकामी और पुलिस की लापरवाही का परिणाम है कि प्रदेश की राजधानी असुरक्षित हो चुकी है।

बैरिकेड लगाकर मतदाताओं को रोकने की कोशिश की: ढेबर

रायपुर। नगरीय निकाय चुनाव का मतदान शाम 5 बजे संपन्न हो गया. एक दो छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो कुल मिलाकर मतदान पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा. थोड़ा बहुत हंगामा रायपुर नगर निगम के भगवती चरण वार्ड में हुआ. यहां मतदान के दौरान हंगामे के हालात थोड़ी देर के लिए बन गए. तत्काल एडिशनल एसपी सहित कई पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को वहां से हटाया और हालात को सामान्य किया. जिस वार्ड में हंगामा हुआ उसी वार्ड से पूर्व महापौर एजाज ढेबर चुनाव लड़ रहे हैं. कांग्रेस ने उनको पार्षद उम्मीदवार बनाया है. हंगामे की वजह मतदाता सूची से कई लोगों के नाम गायब होना बताया गया. लोगों का आरोप था कि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है. लोगों की दलील थी कि वो पिछले कई बार से लोकसभा और विधानसभा के साथ नगर निगम के चुनाव में वोट करते आए हैं. परिसीमन के के बाद कई लोगों के मतदान केंद्र दूसरे जगहों पर शिफ्ट कर दिए गए इस वजह से ये दिक्कत आई. लोग इसी बात से खासे नाराज थे.

कलेक्टर और एसपी ने किया अपने मताधिकार का उपयोग

रायपुर । छत्तीसगढ़ में आज नगरीय निकायों के लिए मतदान शुरू हो चुका है। मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है. सुबह से ही मतदाताओं की भीड़ मतदान केंद्रों में पहुंचनी शुरू हो चुकी है. रायपुर कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार सिंह आज सुबह अपने पत्नी के साथ मतदान केंद्र पहुंचे। जहां उन्होंने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की. कोरबा कलेक्टर आकाश छिकारा ने अपने धर्मपत्नी के साथ आज अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सभी मतदाताओं से अपील की है कि लोकतंत्र के पर्व में शामिल होकर अपनी भागीदारी अवश्य सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा है कि मजबूत लोकतंत्र के निर्माण के लिए हर मतदाता का वोट अमूल्य है. मतदान का अवसर एक निश्चित अवधि में मिलता है, इसलिए इस महत्वपूर्ण अवसर को गवाए बिना अपने मताधिकार का उपयोग करें। एसपी विवेक शुक्ला ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया. जनता से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की है। कलेक्टर कार्तिकेय गोयल ने आज सुबह मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डाला. उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से मतदान करने की की अपील, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की बात कही। दुर्ग नगर निगम के लिए कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कतार में लगकर वोटिंग की।

धर्म के उत्थान में गहिरा गुरु की है भूमिका: मुख्यमंत्री साय

रायपुर। ग्राम गहिरा में श्री विष्णु महायज्ञ में शामिल हुए,मुख्यमंत्री श्री साय~ सामूहिक विवाह में नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वादग्राम गहिरा में श्री विष्णु महायज्ञ में शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री साय~ सामूहिक विवाह में नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद.मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज रायगढ़ जिले के लैलूंगा क्षेत्र स्थित ग्राम गहिरा के संत गहिरा गुरु आश्रम पहुँचे, जहां उन्होंने परम पूज्य गहिरा गुरु जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया और श्री विष्णु महायज्ञ में सम्मिलित होकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने संत गहिरा गुरु जी के समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ग्राम गहिरा से उनका गहरा आत्मीय संबंध रहा है, यह पूज्य संत गहिरा गुरु जी की जन्मस्थली और एक पवित्र धाम है। उन्होंने स्मरण किया कि पहली बार रायगढ़ संसदीय क्षेत्र से सांसद बनने का सौभाग्य भी उन्हें इसी पवित्र भूमि के आशीर्वाद से प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में सांसदों को अपने क्षेत्र के किसी एक गांव को गोद लेकर विकास कार्य करने के लिए कहा गया था, तब उन्होंने ग्राम गहिरा को चुना और यहां विकास कार्य किए।

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने सांसद बृजमोहन ने लोकसभा में उठाई आवाज

नई दिल्ली/रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और उन्हें आवश्यक वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए। उन्होंने क्रेडिट गारंटी योजना (CGSS) और स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना (SISFS) के कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान देते हुए सरकार से आग्रह किया कि इन योजनाओं की पहुंच को राज्य के उद्यमियों तक प्रभावी ढंग से बढ़ाया जाए।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने जानकारी दी कि 31 दिसंबर 2024 तक स्टार्टअप्स के तहत छत्तीसगढ़ में 2.03 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि के साथ 18 स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। इसके अलावा, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ में 1,736 स्टार्टअप्स को मान्यता प्रदान की गई है, जिनके माध्यम से 16,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए गए हैं।

सांसद श्री अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के शहरी क्षेत्रों में इन योजनाओं की जागरूकता बढ़ाने और उद्यमियों तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशिष्ट उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य के नवोद्यमियों को इन योजनाओं का पूर्ण लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों और क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन आवश्यक है। साथ ही, स्टार्टअप्स को सतत सहयोग देने के लिए, एक प्रभावी निगरानी तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए, ताकि उनकी प्रगति का मूल्यांकन किया जा सके और आवश्यक सुधार किए जा सकें।

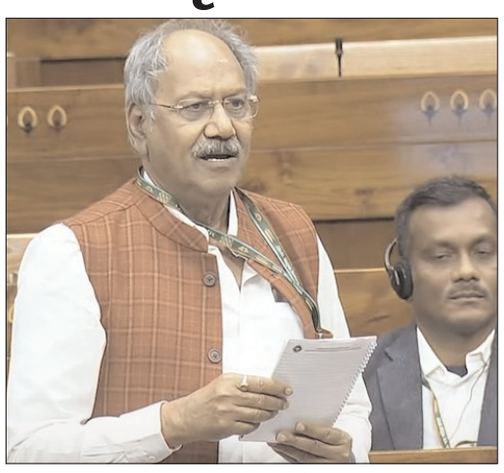

जितिन प्रसाद ने आश्वासन दिया कि सरकार स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत विभिन्न आउटरीच और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है, जिनमें क्षमता निर्माण, इकोसिस्टम का विकास और अंतर्राष्ट्रीय संपर्क जैसी पहल शामिल हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य देशभर में स्टार्टअप्स को समर्थन देना है, जिसमें छत्तीसगढ़ भी एक महत्वपूर्ण भागीदार है।

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि , स्टार्टअप्स युवाओं के लिए न केवल रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने और नवाचार को बढ़ावा देने का भी मौका दे रहे हैं। सरकार द्वारा कई योजनाएं और नीतियां चलाई जा रही हैं। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह छत्तीसगढ़ के स्टार्टअप्स के समक्ष आने वाली चुनौतियों का मूल्यांकन करे और उनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक रोजगार सृजन के लिए नीति-निर्माण में स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखना आवश्यक है।

सामान्य प्रेक्षक ने मतदान केन्द्रों का किया सघन निरीक्षण

रायपुर। जिला रायपुर नगरीय आम निर्वाचन के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक श्रीमती इफ्फत आरा आज मतदान दिवस पर नगरपालिका निगम रायपुर, नगरपालिका परिषद अभनपुर, नगरपालिका परिषद गोबरा-नवापारा तथा नगर पंचायत खरोरा के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों के सघन दौरे पर रही। उन्होंने निर्वाचन में संलग्न मतदान अधिकारियों से मतदान केंद्रों में की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली।इस निरीक्षण दौरा अंतर्गत रायपुर निगम क्षेत्र के दुर्गा महाविद्यालय, संत कंवर राम शासकीय स्कूल कटोरा तालाब, नगरपालिक निगम स्कूल टिकरापारा, खरोरा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला खरोरा तथा अभनपुर के मतदान केंद्रों का अवलोकन और जांच किया। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक श्रीमती आरा ने नगरपालिका परिषद गोबरा-नवापारा स्थित स्ट्रांग रूम का भी जायजा लिया।सामान्य प्रेक्षक ने निरीक्षण के दौरान मतदान दल और मतदाता द्वारा किए जा रहे मतदान कार्य का अवलोकन किया। इसके साथ ही मतदान केंद्र में बुनियादी सुविधा पेयजल, पंखा, बिजली, रैंप, व्हीलचेयर, शौचालय, छाया, मतदाता सूची आदि का अवलोकन किया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, संवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.